Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 58 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, सोमवार 12 अगस्त 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

स्वरुप का भान नहीं होने देने वाली कषाय है।

Hindrance Knows one's own form is passion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ में पहाड़ गिरने से मची अफरा तफरी, सहमे लोग

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश से लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शनिवार को एक बार फिर रुद्रप्रयाग में केदारनाथ हाईवे के डोलिया देवी के पास पहाड़ टूटने की घटना सामने आई है। डोलिया देवी के पास पहाड़ टूटने से पहाड़ी से राजमार्ग पर पूरा पहाड़ भरभराकर गिर पड़ा। पहाड़ से बड़े बड़े बोल्डर और मलबा भारी मात्रा में आ कर सड़क पर गिर गया। जिससे सड़क मार्ग बाधित हो गया। दरअसल शुक्रवार देर रात केदारघाटी में जोरदार बारिश हुई। जिसके बाद शनिवार को मौसम के साफ होते ही पहाड़ टूटकर गिर गया। गनीमत रही कि जब पहाड़ टूटकर गिरा उस वक्त कोई सड़क से गुजर नहीं रहा था। जिसके कारण एक बड़ा हादसा होने से टल गया।रुद्रप्रयाग में केदारनाथ हाईवे पर पहाड़ के टूटकर गिरने के बाद अब सड़क को खोलने का काम किया जा रहा है। वहीं केदारनाथ धाम में भारी बारिश से हुए नुकसान के बाद लगातार काम जारी है।

मॉल में नंगे पांव पहुंचे कांवड़ियों की नो एंट्री! प्रोटोकॉल का हवाला देकर घुसने से रोका

रांची। रांची के एक मॉल में नंगे पाव पहुंचे लोगों को प्रवेश करने से रोके जाने पर विवाद खड़ा हो गया है। जिन लोगों को मॉल के प्रोटोकॉल का हवाला देकर घुसने से रोका गया, वे लोग देवघर स्थित बाबा धाम की कांवर यात्रा के बाद रांची लौटे थे। उनका कहना है कि कांवरिया वेशभूषा में होने की वजह से उन्हें रोका गया। रोके गए कांवरियों में से एक सुशांत चौबे ने कहा कि वे लोग देवघर में पैदल कांवर यात्रा पूरी तरह लौटे थे। रास्ते में 'मॉल ऑफ रांची' दिखा तो वे जरूरत का सामान और जूता-चप्पल खरीदने के लिए अंदर जाने लगे, इस पर उन्हें पहले गार्ड ने रोक दिया। इसके बाद मैनेजर ने प्रोटोकॉल का हवाला दिया और कहा कि नंगे पांव आए लोगों को एंट्री नहीं दी जा सकती।इसको लेकर काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच बहस होती रही। झारखंड के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस घटना पर विरोध जताते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, मॉल प्रबंधन द्वारा शिव भक्तों को मॉल के अंदर प्रवेश करने से रोकना खेदजनक है।

भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का नहीं कोई प्रावधान

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी लगातार केंद्र सरकार से वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, केंद्र सरकार के नियमों में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। नियम के मुताबिक, किसी भी भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। यही बात 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने कही थी। तत्कालीन गृह राज्य मंत्री मुल्लापल्ली रामचंद्रन ने लोकसभा में राष्ट्रीय आपदा से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा था, प्राकृतिक आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

हिंडनबर्ग आरोप

सेबी प्रमुख की अदाणी समूह से जुड़ी इकाइयों में हिस्सेदारी....

नयी दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी शोध और निवेश कंपंनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति पर अदाणी से जुड़ी विदेशी कोष में हिस्सेदारी होने का आरोप लगाया है. हालांकि सेबी प्रमुख ने आरोप को पूरी तरह आधारहीन बताया है. हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी नई रिपोर्ट में कहा कि सेबी चेयरपर्सन बुच और उनके पति धबल बुच के पास उस विदेशी कोष में हिस्सेदारी है, जिसका उपयोग अदाणी समूह में कथित धन की हेराफेरी को लेकर इस्तेमाल किया गया. इस बीच, कांग्रेस ने केंद्र से अदाणी समूह की नियामक जांच में हितों के सभी टकराव को खत्म करने के लिए तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है. विपक्षी दल ने देश के शीर्ष अधिकारियों की कथित मिलीभगत का पता लगाने और 'घोटाले' की पूरी जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की भी मांग की है. वहीं सेबी प्रमुख और उनके पति ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है. उन्होंने कहा, रिपोर्ट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से निराधार और बेबुनियाद है. इनमें तनिक भी सच्चाई नहीं है. हमारा जीवन और वित्तीय स्थिति एक खुली किताब की तरह है. सभी आवश्यक खुलासे पहले ही वर्षों से सेबी को दिये जा चुके हैं. हमें किसी भी वित्तीय दस्तावेजों का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है बुच ने कहा,

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ सेबी ने प्रवर्तन कार्रवाई की है और कारण बताओ नोटिस जारी किया है, उसी के जवाब में हमें ही घेरने और चरित्र हनन करने का प्रयास किया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि पूर्ण पारदर्शिता को ध्यान में रखकर, नियत समय में एक विस्तृत बयान जारी किया जाएगा. हिंडनबर्ग ने अदाणी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18 महीने बाद एक ब्लॉगपोस्ट में आरोप लगाया सेबी ने अदाणी के मॉरीशस और विदेशी मुखौटा इकाइयों की कथित अघोषित 'जाल' की जांच में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है. निवेश कंपनी ने 'व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों' का हवाला देते हुए कहा, सेबी की वर्तमान प्रमुख बुच और उनके पति के पास अदाणी समूह में धन के हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए दोनों अस्पष्ट 'ऑफ्शोर फंड' में हिस्सेदारी थी.कथित तौर पर समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के बड़े भाई विनोद अदाणी अस्पष्ट विदेशी कोष बरमूडा और मॉरीशस कोषों को नियंत्रित करते थे. हिंडनबर्ग का आरोप है कि इन कोषों का इस्तेमाल धन की हेराफेरी करने और समूह के शेयरों की कीमत बढ़ाने के लिए किया गया था. हिंडनबर्ग ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा, आईआईएफएल में एक प्रमुख के हस्ताक्षर वाले फंड की घोषणा में कहा गया है कि निवेश का स्रोत 'वेतन' है और दंपति की कुल संपत्ति एक करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है. रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है।

सेबी प्रमुख बुच ने हिंडनबर्ग के लगाए आरोपों को आधारहीन चरित्र हनन बताया.....

अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने संदेह जताया है कि अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में पूंजी बाजार नियामक सेबी की अनिच्छा का कारण सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति की अदाणी समूह से जुड़े विदेशी कोष में हिस्सेदारी हो सकती है. हालांकि सेबी प्रमुख ने इस आरोप को 'आधारहीन' और 'चरित्र हनन' का प्रयास बताया है. हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख बुच और उनके पति धवल बुच के पास उस विदेशी कोष में हिस्सेदारी है, जिसका इस्तेमाल अदाणी समूह में धन की कथित हेराफेरी के लिए किया गया था. हिंडनबर्ग के मुताबिक, बुच और उनके पति ने बरमूडा और मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था.

देश को बांटने का आरोप लगाया

जेपी नड्डा ने कांग्रेस को बताया नकली देशभक्त

राजकोट। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने कांग्रेस पर देश को बांटने का आरोप लगाया औरनेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी को 'नकली देशभक्त' बताते हुए कहा कि उन्हें देश के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा अध्यक्ष ने यहां तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा, ये लोग भारत जोड़ो यात्रा के जरिये देश को तोड़ने में व्यस्त हैं। हम सब को देश को एकजुट करने की दिशा में सरदार वल्लभ भाई पटेल के अमूल्य योगदान को याद करना चाहिए।नड्डा ने कांग्रेस पर चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह,

राजगुरु और नेताजी सुभाष चंद्र बोस सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भुलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मुझे दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि आज कांग्रेस नेता केवड़िया में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने नहीं गए।

केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुजरात के राजकोट में भव्य तिरंगा यात्रा में भाग लिया.

एनएच प्रोजेक्ट को लेकर सीएम को लिखा पत्र

पंजाब में कानून-व्यवस्था से चिंतित नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में हो रही दिक्कतों का जिक्र किया है। नितिन गडकरी ने कहा कि एनएचएआई ने पंजाब में तीन परियोजनाएं पहले ही बंद कर दी हैं, जिनकी लंबाई 104 किलोमीटर और लागत 3263 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे सहित पंजाब में कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं चल रही हैं। लेकिन, इन परियोजनाओं में सुरक्षा और भूमि

अधिग्रहण से जुड़ी गंभीर समस्याएं आ रही हैं। उन्होंने दो घटनाओं का जिक्र किया, जिनमें एक्सप्रेसवे परियोजना के इंजीनियर की जालंधर में बेरहमी से पिटाई की गई और लुधियाना में परियोजना कैंप पर हमला किया गया।

गोरखपुर में सीएम योगी ने सुनी जनता की फरियाद

भू माफिया व दबंगों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई होगी-योगी...

गोरखपुर। संवाददाता

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ितों की मदद और पात्रों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने में विलंब नहीं होना चाहिए। इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी स्तर पर कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर

जानबूझकर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो वहां जिम्मेदारी सुनिश्चित कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए।गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में जनता दर्शन का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जा करने की शिकायत किए जाने पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाए जाएं। प्रशासन का यह मंत्र होना चाहिए कि मनमानी किसी की नहीं चलेगी।

बर्लिन में मनाया गया 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

नई दिल्ली। बर्लिन के प्रसिद्ध बर्लिनर डोम में भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर भारतीयों ने तिरंगा लहराया और भारत माता की जय और वन्देमातरम के नारे लगाए। स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए वीरों को याद किया गया और उनके बलिदान को नमन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन इंडियन इंडिपेंडेंस डे सेलिब्रेशन कमिटी आईएन डीसीसी और भारतीय दूतावास ने किया था। बर्लिन के विभिन्न कार्यालयों में काम करने वाले भारतीयों ने इस समारोह में भाग लिया और स्वतंत्रता दिवस की खुशी में तिरंगा लहराया। बच्चों और वयस्कों ने रंगारंग प्रदर्शन किया, नृत्य किया और देशभक्ति गीत गाए।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का सेबी पर हमला

संयुक्त संसदीय समिति से कराई जाए घोटाले की जांच-खरगे....

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट सामने आने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सेबी पर लगे आरोपों की जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अदाणी समूह और सेबी की मिलीभगत से हुए घोटाले की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराई जाए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे की जेपीसी से जांच कराना जरूरी है। नहीं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करके अपने सहयोगियों को बचाते रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि

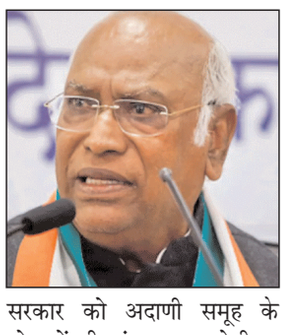

सरकार को अदाणी समूह के घोटालों की जांच कराकर सेबी पर लगे आरोपों पर स्थिति स्पष्ट करनी होगी। साथ ही तुरंत कार्रवाई करनी होगी। एक्स पर किए गए एक पोस्ट में खरगे ने कहा कि जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में अदाणी समूह पर लगे आरोपों पर खारिज कर दिया था। अब सेबी प्रमुख पर आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के निवेशक अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं। ऐसे घोटालों और आरोपों के बाद निवेशक चिंतित हैं। उन्हें सुरक्षा की जरूरत है। खरगे ने कहा कि इस घोटाले की जांच जेपीसी से कराना जरूरी है। यह किया गया हिंडनबर्ग की रिसर्च में दावा अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाले दावे किए गए हैं। रिपोर्ट में भारतीय शेयर बाजार नियामक सेबी की प्रमुख और उनके पति पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

ट्रेनी डॉक्टर से दरिंदगी की हदें पार, रेप के बाद मर्डर....

अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही पुलिस

कोलकाता/ एजेंसी

कोलकाता पुलिस एक महिला चिकित्सक की हत्या के संबंध में निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसका शव यहां सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में पाया गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला चिकित्सा का यौन उत्पीड़न हुआ था और उसकी हत्या की गयी थी। पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हम इस मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलता है कि यौन उत्पीड़न के बाद उसकी हत्या की गयी थी और पुलिस ने आत्महत्या की आशंका से इनकार कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है, ''उसकी दोनों आंखों और मुंह से खून बह रहा था और चेहरे पर चोटें थीं। पीड़िता के निजी अंगों से भी खून बह रहा था। उसके पेट, बाएं पैर... गर्दन, दाहिने हाथ, उंगली और... होठों पर भी चोटें हैं।'' इस बीच, एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य से संकेत मिलता है कि गिरफ्तार आरोपी ने महिला चिकित्सक की पहले हत्या की और फिर उससे दुष्कर्म किया। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''ऐसा सबूत है कि चिकित्सक अस्पताल के सेमीनार हॉल में अकेले सो रही थी तभी आरोपी ने उस पर हमला कर दिया। महिला ने

बचने की कोशिश की लेकिन उसकी गला घोटकर हत्या कर दी गयी। ऐसी भी आशंका है कि आरोपी ने हत्या करने के बाद दुष्कर्म किया होगा।'' पुलिस ने अपराध के दौरान आरोपी द्वारा पहने कपड़े और जूते भी बरामद किए हैं। यह पूछने पर कि क्या गिरफ्तार आरोपी के साथ अपराध में कोई और भी शामिल था, इस पर अधिकारी ने कहा, ''अभी तक इसका कोई सबूत नहीं है।'' अधिकारी ने कहा, ''अपराध को अंजाम देने के बाद आरोपी घर गया था और उसने अपने कपड़े धोये थे। उसके घर की तलाशी के दौरान उसके जूते भी मिले हैं जिन पर खून के धब्बे थे। महिला चिकित्सक का शव शुक्रवार को उत्तर कोलकाता में आरजी कर सरकारी अस्पताल के 'सेमीनार हॉल' के भीतर पाया गया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दोषी के लिए मौत की सजा की मांग करने का संकल्प लिया है। गिरफ्तार व्यक्ति एक बाहरी व्यक्ति है जिसकी अस्पताल के विभिन्न विभागों तक आसान पहुंच थी। उस पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 (दुष्कर्म) और 103 (हत्या) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उसे कोलकाता की एक अदालत में पेश किया गया जिसने उसे 23 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

देशभर में विरोध-प्रदर्शन 12 अगस्त से राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के साथ यौन उत्पीड़न कर उसकी हत्या कर दी गयी। 9 अगस्त को घटी इस घटना के सामने आने के बाद से देशभर के डॉक्टरों में गुस्सा भरा हुआ है। महिला डॉक्टर को इंसाफदिलाने के लिए डॉक्टर देशभर में विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने महिला डॉक्टर के यौन उत्पीड़न और हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया। डॉक्टरों के संगठन फेडरेशन ऑफरेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने रविवार को 12 अगस्त से राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की।

बस्तर में सरकार द्वारा पर्यटन को दिया जा रहा है बढ़ावा : मंत्री श्री केदार कश्यप

जगदलपुर (विश्व परिवार)। वन एवं जल संसाधन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर में प्राकृतिक सौंदर्य, वन उत्पाद, वन संसाधन की उपलब्धता बहुत है, सरकार द्वारा बस्तर में पर्यटन के लिए होम स्टे, कैंपिंग और ईको पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में कोसारटेडा जलाशय परिसर में भी ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकास हेतु आज भूमिपूजन किया गया है। बस्तर जिले में कोसारटेडा जलाशय से सिंचाई सुविधा के साथ-साथ अब ईको-टूरिज्म हब के निर्माण से यहाँ के महिला स्व सहायता समूह और ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेगा। मंत्री ने कहा कि बस्तर अपनी अप्रतिम सौंदर्य के लिए विश्व प्रसिद्ध रहा है इस लिये बस्तर में सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। संभाग में कई जलप्रपात है जिनको पर्यटन नक्शे में जोड़ने की पहल की जा रही है। मंत्री श्री कश्यप शनिवार को कोसारटेडा सिंचाई जलाशय में 03 करोड़ 51 लाख रुपए की लागत से विकसित की जा रही ईको-टूरिज्म रिसोर्ट का भूमिपूजन किया।कार्यक्रम में मंत्री श्री केदार कश्यप ने इको रिसोर्ट के मुख्य द्वार निर्माण हेतु राशि 25 लाख, इको रिसोर्ट के चारों ओर टो वॉल के निर्माण हेतु 01 करोड़, अप्रोच रोड के दोहरीकरण, प्रशासनिक भवन के जीर्णोद्धार हेतु 50 लाख, रिसोर्ट के विकास हेतु रिसोर्ट के आसपास उपलब्ध अन्य विभागों के स्वामित्व की शासकीय भूमि को जल संसाधन विभाग को हस्तांतरित करने और हाईमास्ट लाइट हेतु 25 लाख रूपए की घोषणा की।

कार्यक्रम में बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि कोसारटेडा जलाशय बनवाने के लिए स्वर्गीय श्री बलीराम कश्यप ने अथक प्रयास किया, जलाशय से क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा बढ़ी, अब यहाँ पर्यटन के केंद्र के रूप में विकास किया जाएगा। सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभ हो रहा है। बस्तर को पहले अधिकारी कालापानी की सजा के रूप में जानकर आते थे अब विकास की गति और सरकार योजनाओं ने पर्यटन के स्थल के रूप में अलग पहचान बना ली है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, पूर्व सांसद श्री दिनेश कश्यप ने भी संबोधित किया।

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के . ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोसारटेडा जलाशय बस्तर-नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में सिंचाई सुविधा के लिए जाना जाता था अब ईको-टूरिज्म पर्यटन के रूप में भी इसे नई पहचान मिलेगी। बस्तर जिला में पहले पर्यटन के रूप में चित्रकोट, तीरथगढ़, कुटुमसर गुफा की ख्याति थी इसमें अब कोसारटेडा ईको-टूरिज्म भी अलग पहचान दिलाएगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री मनीराम कश्यप, जनपद अध्यक्ष श्रीमती टिकेशवरी मंडावी, सरपंच सालेमेटा श्री फरसू बघेल अन्य जनप्रतिनिधि सहित सीसीएफश्री आरसी दुग्गा, वन मण्डलाधिकारी श्री उत्तम गुप्ता, जल संसाधन विभाग के श्री भंडारी, श्री वेद पांडेय सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे। कार्यक्रम के उपरांत जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने मंत्री को पूरे प्रोजेक्ट का विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में अतिथियों ने एक पेड़ माँ के नाम के तहत वृक्षारोपण किया और ग्रामीणों को पौध वितरण किए। बस्तर जिले की कोसारटेडा मध्यम बहुउद्देश्यीय सिंचाई जलाशय परियोजना में सिंचाई के साथ ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया रहा है। करीब 03 करोड़ 51 लाख रुपए की लागत से निर्मित किये जा रहे कोसारटेडा जलाशय में ईको-टूरिज्म रिसोर्ट एवं अन्य पर्यटक सुविधाओं के जरिए बस्तर को नई पहचान मिलेगी। शासन की मंशानुरूप कोसारटेडा जलाशय ईको-टूरिजम हब के संचालन में स्थानीय मातृ शक्ति महिला स्वसहायता समूहों की व्यापक सहभागिता के साथ ही युवाओं और ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

सुविधाओं का होगा विस्तार

कोसारटेडा ईको टूरिस्ट रिसोर्ट में मुख्य तौर पर 06 नेचुरल बम्बू कॉटेज,04 लक्जरी विला टेंट, एक बम्बू से निर्मित रेस्टोरेंट, बच्चों के लिए चिल्ड्रन पार्क, एडवेंचर रोप कोर्स,वॉटर स्पोर्ट्स सुविधाएं सहित पूरे ईको-टूरिज्म हब ईलाके को आकर्षक बनाने के लिए गार्डन डेवलपमेंट,बम्बू गजेबो,लैंड स्केपिंग,लॉन ग्रास वर्क,सीमेंट आर्ट वर्क,स्टेच्यू इत्यादि कार्यों के साथ ही एप्रोच रोड एवं पार्किंग स्थल भी निर्मित किया जा रहा है।

अ.भा.तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय बैठक दिल्ली में सम्पन्न

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन गत दिवस रफ़ी मार्ग स्थित कांस्टीट्युशन क्लब स्पीकर हॉल नई दिल्ली में रखा गया था।जिसमे मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू,अतिविशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव,अध्यक्षता अखिल भारतीय तैलीक साहू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय दत्त क्षीर सागर, राष्ट्रीय महामंत्री रामलाल गुप्ता , राष्ट्रीय अपर महामंत्री अरुण भष्मे एवं छत्तीसगढ़ साहू संघ प्रदेश अध्यक्ष टहल सिंह साहू उपस्थित रहे कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न राज्यों से अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के पदाधिकारी गण पहुँचे हुए थे इसी कार्यक्रम में अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष एवं कसडोल विधायक संदीप साहू भी शामिल हुए कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए नवनिर्वाचित विधायक सांसदों का सम्मान किया गया इसके साथ ही सामाजिक कार्य हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चाएं की गई एवं अतिथि सम्मान के क्रम में युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक संदीप साहू को शाल एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साहू समाज राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष संदीप साहू ने कहा कि जो सपना हमारे पुरखों ने देखा था आज पूरा होता नजर आ रहा है आज हमारे स्वाभिमान और आत्म गौरव की झलक सभी के चेहरों में दिखाई दे रही है आज समाज का जो वर्तमान स्वरुप दिख रहा है इसके निर्माण में हमारे बड़े पुरखों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है इसलिए हमारे पुरखों को सदैव स्मरण करना चाहिए मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे यहां आने का अवसर मिला आप सभी सम्माननीय समाज के वरिष्ठ जनों को प्रणाम करता हूं आप सभी बड़ों के आशीर्वाद से ही मैं यहां तक पहुंचा हूं इस अवसर पर युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू,कमलेश साहू,कामत साहू,सतीश साहू,दिलीप साहू, सनीर साहू,प्रफुल्ल साहू,ओम प्रकाश साहू,शशांक साहू,रवि साहू,अनुराग साहू,त्रिशंकु साहू,हितेश साहू,नामित साहू ,धन्नू साहू,दिलीप साहू,ऐश्वर्य साहू,सूरज साहू,गेंद राम साहू,हिमांशु साहू,मनीष साहू,ओमकार साहू,गावेश साहू,यशवंत साहू,सनी साहू,सनिर साहू,प्रदेश प्रचार सचिव राकी साहू सहित बड़ी संख्या में साहू समाज से देश भर के समाज से मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण सहित साहू समाज के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य समाज के वरिष्ठजन पदाधिकरी उपस्थित रहे।

13 अगस्त को जोहार तिरंगा कार्यक्रम का होगा आयोजन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हर घर तिरंगा अभियान के तहत 13 अगस्त को रायपुर के बूढ़ा तालाब स्थित इंडोर स्टेडियम में जोहार तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संध्या 6 बजे से शुरू होगा।

इस अवसर पर देश के जाने माने गायक श्री कैलाश खेर एवं साथियों द्वारा संस्कृति एवं देशभक्ति पर आधारित गीतों की सुमधुर प्रस्तुति दी जाएगी। जोहार तिरंगा कार्यक्रम के भव्य आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग के विशेष सहयोग से किया जा रहा है। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित यह कार्यक्रम न केवल देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करेगा बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को भी उजागर करेगा।

नवापारा भाजपा मण्डल की संघठनात्मक बैठक संपन्न

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। स्थानीय नेहरू घाट स्थित सामुदायिक भवन मे भारतीय जनता पार्टी नवापारा मंडल की आवश्यक बैठक शुक्रवार को सम्पन्न हुआ. बैठक में पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहु, पुर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक बजाज, क्षेत्रीय विधायक इंद्रकुमार साहु सहित संगठन के वरिष्ठ जनो की उपस्थिति रही.बैठक हर घर तिंरगा यात्रा , विभाजन की विभीषिका एवम एक पेड़ मां के नाम जैसे महत्व पूर्ण विषयो में चर्चा हुई. कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू ने कार्यक्रम का उद्देश्य जाहिर करते हुए कहाकि हम सभी का यह उद्देश्य होना चाहिए हम सभी राष्ट्र प्रेम को जन जन तक पहुंचाये. अगर हमारे अंदर राष्ट्रभक्ति रहेगी तभी यह देश सुरक्षित रहेगा.उन्होंने वर्तमान मे समस्या से झूलस रहे बांग्लादेश का उदाहरण देते हुए कहाकि सभी अपने देश के प्रति सजग रहे, अराजकता फैलाने वाले से सावधान रहे, उन्होंने विपक्ष सहित मोदी विरोधियों पर प्रहार करते हुए कहाकि लोग मोदी जी के कुशल नेतृत्व वाली सरकार को पचा नहीं पा रहे हैं. उन्होंने संगठन द्वारा तय कार्यक्रम आजादी का महत्व को जन जन तक पहुँचाने, तिरंगा यात्रा, माँ के नाम एक पेड़ यात्रा आदि कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की.द्व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक बजाज ने कार्यक्रम की विस्तृत रुपरेखा बताते हुए कहाकि इस बार संघठन द्वारा शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस को व्यापक बनाने की तैयारी हैं. पूर्व मे भी अमृत महोत्सव के दौरान नवापारा मण्डल का योगदान सराहनीय रहा हैं. उन्होंने कहाकि पुरे कार्यक्रम को तीन भागो मे विभाजित किया गया हैं, 11 से 13 तक हर घर तिरंगा फहराने के लिए लोगो को जागरूक करना, बाइक रैली, साईकिल रैली व पदयात्रा के माध्यम से उन तक पहुँचने का कार्यक्रम होगा. दूसरे चरण मे 12, 13 व 14 को नगर के अंदर महपुरुषों के प्रतिमाओ, मंदिर देवालाय मे स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा. और अंतिम तीसरे चरण मे विभाजन की विभीषका को स्मृति दिवस समारोह के रूप मे मनाया जायेगा. जिसके लिए उन्होंने कार्यक्रम के संयोजको को उस समय के लोगो को बुलाकर उनकी जुबानी सुनने की बात कहीं. उन्होंने कहाकि हम सभी को विभाजन का दंश को जब हम जानेंगे तब तक कैसे अपनी इतिहास को जान पाएंगे. आज के समय मे उस विभीष्का को जानना होगा। तब कहीं जाकर हम अपने देश को बचा पाएंगे. उन्होंने बांग्लादेश की स्थिति , हिन्दुओ पर अत्याचार को लेकर देश के बुद्धजीवी नेताओं की चुप्पी पर निशाना साधा और कहाकि इस पर क्यों कोई कुछ नहीं बोल रहा हैं. राम मंदिर की लोगो को खटक रही हैं।

भगवान पार्श्वनाथ का महामस्तकाभिषेक कर श्रद्धालुओं ने किया निर्वाण लाडू समर्पित

झांसी (विश्व परिवार)। गांधी रोड स्थित श्री दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में जैन दर्शन के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक (मोक्ष सप्तमी) पर्व के पावन अवसर पर वेदी क्रमांक 3 में विराजमान भगवान पार्श्वनाथ की अतिप्राचीन मूंगावर्णी प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक कर निर्वाण लाडू समर्पण भारत विकास परिषद् विवेकानन्द शाखा झांसी के अध्यक्ष सौरभ जैन सर्वज्ञ के नेतृत्व व मंत्रोच्चार निर्देशन में सचिन सर्राफ, गौरव जैन नीम, दीपांक सिंघई, अमन जैन विरागप्रिय, सौरभ जैन बिजली ने किया। इस अवसर पर बांग्लादेश में हो रही मजहबी हिंसा व उन्माद समाप्ति के लिए श्रद्धालुओं ने विश्वशांति की मंगलकामना के साथ श्रीजी के मस्तक पर शांतिधारा की। इस अवसर पर सुरेन्द्र सर्राफ, संजय सिंघई, दिनेश जैन डीके, मनोज सिंघई, आशीष जैन माची, सुनील ड्योडिया, डॉ सचिन जैन वैधनाथ, महेन्द्र सिंघई, विजय मिठ्या, भामाशाह जैन, पुष्पेंद्र जैन रानीपुर, पियुरिष जैन, अंकित सर्राफ, श्रीमति प्रभा जैन, शिल्पी जैन, संजना सर्राफ सहित सैकड़ों भक्तों ने मंगलाष्टक सहित अभिषेक पाठ, शांतिधारा, श्री देव-शास्त्र-गुरु पूजन, पार्श्वनाथ पूजन, निर्वाणकाण्ड पढ़कर भक्ति आराधना कर निर्वाण लाडू समर्पित करने का सौभाग्य अर्जित किया। अंकित सर्राफने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13776/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 10-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13776
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757B00339** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHOBHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARAYAN RAO SHIKRE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विजय कुमार राव पिसुडडे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. अन्ना जी राव पिसुडडे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13779/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 10-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13779
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E01281** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NARESH NIHICHALANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHEMCHAND NIHICHALANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **संजय कुमार शादीजा एच. यू. एफ.** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मनोहर लाल शादीजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13780/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 10-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13780
वार्ड का नाम-35-पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR224G0296A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RITESH PILLEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJA BABU PILLEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजेन्द्र कुमार कश्यप** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. मोतीलाल कश्यप** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13775/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 10-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13775
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739B00291** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1 MIRZA TAJ BEG, 2. MIRZA SALIM BEG** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. MIRZA KHALIL BEG** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सरफराज मिर्जा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. मिर्जा सलीम बेग** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रशीद, मृत्यु, प्रमाण पत्र, सहमती पत्र, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13781/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 10-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13781
वार्ड का नाम-46-मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR741A00048** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRABHAKAR RAO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KESHAV RAO FADTALE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. दुर्गा फरताड़े, 2. रश्मि फरताड़े, 3 निखिल फरताड़े, 4. निकिता भोसले, 5. आशा चौहान, 6 रत्ना घाटगे, 7 वंदना गलांडे,** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. स्व. प्रभाकर राव फरताड़े, 2. स्व. रविन्द्र फरताड़े, 3. स्व. रविन्द्र फरताड़े, 4. प्रतीक भोसले, 5. प्रकाश चौहान, 6. स्व. सुशील घाटके, 7 अविनाश गलांडे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रशीद, मृत्यु, प्रमाण पत्र, सहमती पत्र, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13134/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 07-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13134
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651G00620** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DINESH KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEVARAM SAHU** के नाम से दर्ज है, श्री/श्रीमती श्रीमती **सोनम यादव** ने पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता श्री हेमलाल यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13458/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 07-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13458
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R00256** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **TABREJ AHMAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABDUL HAMID** के नाम से दर्ज है, श्री/श्रीमती श्रीमती **शब्बीर शेख** ने पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता श्री हाजी मोहम्मद शेख** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12291/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 07-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12291
वार्ड का नाम- 53 - बाबू जगजीवनराम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446I00276** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KUMARI SHRADHHA JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMESH SANCHETI** के नाम से दर्ज है, श्री/श्रीमती श्रीमती **1. श्री भरत कुमार दोशी 2. श्रीमती भाविका. 3. श्री शिरीष कुमार दोशी 4. श्रीमती मेघना शिरीष दोशी** ने पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. श्री दलीचंद दोशी 2. पति श्री भरत कुमार दोशी 3. श्री भरत कुमार दोशी 4. पति श्री शिरीष दोशी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-06)
आई. एस. बी.टी. , चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
E-mail ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र./11179/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 06-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11179
वार्ड का नाम- 60 - चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652H00178** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAILASH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PARAU RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, श्री/श्रीमती श्रीमती **दिनेश साहू** ने पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता श्री अर्जुन साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र टैक्स रसीद आधार कार्ड**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(06)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13118/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 07-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13118
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J01110** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAKESH BARVE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VENKATESH BARVE** के नाम से दर्ज है, श्री/श्रीमती श्रीमती **मनोज कुमार वासुदेव चंदवानी** ने पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता श्री वासुदेव चंदवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13102/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 07-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13102
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651F00500** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARITA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SEWAK RAM PREMCHANDANI** के नाम से दर्ज है, श्री/श्रीमती श्रीमती **श्रीमती आरती** ने पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति श्री रमेश गुलाटी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13104/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 07-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13104
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651H00024** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GREAT RAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRABHULLA SAHU** के नाम से दर्ज है, श्री/श्रीमती श्रीमती **करन साहू** ने पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता श्री आल्हाराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र मलमा बिक्री नामा के आधार कार्ड टैक्स रसीद**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13314/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 07-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13314
वार्ड का नाम- 49 - गुरू घासीदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR344J00003** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHRI ARIHANT ASSOCIATE DWARA BHAGIDAR MOHAN CHOPDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NEMICHAND CHOPDA** के नाम से दर्ज है, श्री/श्रीमती श्रीमती **गायत्री पंजवानी** ने पिता/पति, श्री/श्रीमती **राम कुमार पंजवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

प्रदेश में आदिवासियों का हो रहा उत्थान : मंत्री लखन लाल देवांगन

विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी शक्तिपीठ में किया गया कार्यक्रम का आयोजन

मंत्री श्री देवांगन ने विकास कार्यों के लिए 50 लाख देने की घोषणा की*

कोरबा(विश्व परिवार)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बुधवारी स्थित आदिवासी शक्तिपीठ स्थल पर आयोजित मूल निवासी महोत्सव कार्यक्रम में पहुंचे वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में आदिवासी समाज ही नहीं सभी समाज के कल्याण के लिए योजनाएं बनाकर उनका उत्थान किया जा रहा है। वे एक संवेदनशील मुख्यमंत्री हैं और गरीबों के कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रदेश का मुख्यमंत्री आदिवासी समाज से है। देश का महामहिम राष्ट्रपति भी आदिवासी समाज से हैं। इससे बहुत गौरव की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश को विकास के रास्ते पर आगे ले जाना चाहते हैं। वर्ष 2047 तक उन्होंने विकसित भारत का लक्ष्य निर्धारित किया है। आप सभी देश को विकास के रास्ते पर ले जाने सहयोग करें। मुख्य अतिथि मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि जब मैं महापौर था, तब से समाज द्वारा मुझे सम्मान दिया जाता रहा है। आदिवासी शक्तिपीठ स्थल में विकास हेतु लगातार कार्य कराया गया है। बहुत खुशी होती है कि अब शक्तिपीठ स्थल में आदिवासी समाज के युवा एवं छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। यहां रहकर शिक्षा प्राप्त कर एक अच्छा नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति की पूजा करने वाला सीधा-सादा और सरल समाज है। उन्होंने आदिवासी समाज को शिक्षा से जुड़े रहने और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि छत्तीसगढ़ व कोरबा जिला के विकास में आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। मंत्री ने आदिवासी समाज द्वारा स्थापित शक्तिपीठ परिसर में बाउण्ड्री वॉल तथा सौंदर्यीकरण तथा अन्य विकास कार्यों के लिए 50 लाख रूपए विधायक निधि से देने की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि श्रीमती शिवकला छत्रपाल सिंह कँवर ने सभी को आदिवासी दिवस की बधाई दी और कहा कि विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन हमें अपने अस्तित्व का बोध कराती है। आदिवासी शक्तिपीठ और समाज के श्री मोहन सिंह प्रधान, आर. एस. मार्को सहित अन्य ने अपने उदबोधन में कहा कि आज भारत ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा भी आदिवासी, मूल निवासी दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने समाज को संघर्ष कर शिक्षित रहने और संगठित बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर समाज के लोगों एवं बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

संक्षिप्त समाचार

बर्खास्तगी के खिलाफ सरपंच की अपील खारिज

कोरबा(विश्व परिवार)। ग्राम पंचायत सुपातराई के सरपंच को बर्खास्त करने की कार्रवाई के विरूद्व दायर अपील को कलेक्टर के न्यायालय ने आधारीहीन बताते हुए खारिज कर दिया है। जिले के जनपद पंचायत करतला के ग्राम पंचायत सुपातराई के सरपंच राजकुमारी कंवर को एसडीएम कोरबा पंचायती राज अधिनियम की धारा 40 (1) के तहत बर्खास्त कर दिया था। सरपंच पर शौचालय निर्माण में गड़बड़ी के साथ अपने पति संतराम कंवर देवर राम सिंह कंवर के नाम पर शासकीय भूमि पर पट्टा बनवाने के शिकायत के साथ कलेक्टर जनदर्शन में किया गया था। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एसडीएम कोरबा ने पूरे मामले की जांच के लिए जांच दल का गठन किया था। इस जांच दल में बरपाली के तहसीलदार के साथ राजस्व निरीक्षक को शामिल किया गया था। इस जांच समिति ने अपनी जांच प्रक्रिया के बाद शिकायत को सही पाते हुए एसडीएम को जांच रिपोर्ट प्रस्तुत किया था। इस रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम कोरबा ने सरपंच को बर्खास्त करने का आदेश पारित कर दिया था। इस आदेश को झूठा बताते हुए सरपंच राजकुमारी कंवर ने हाई कोर्ट बिलासपुर में अपील लहर की हाईकोर्ट ने अपील को खारिज करते हुए कलेक्टर के न्यायालय को अपील का एक मौका दिया गया।

घर में सो रहे चार ग्रामीणों को गजराज ने रौंदा

जशपुर(विश्व परिवार)। जशपुर जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां हाथी के हमले से घर में सो रहे चार लोगों की मौत हो गई. मृतकों में पिता, पुत्री, चाचा व पड़ोसी युवक शामिल हैं. घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची है. यह मामला नगर पंचायत बगीचा के गम्हरिया वार्ड नंबर 9 का है. मिली जानकारी के मुताबिक, रात 12 बजे अकेले घूम रहे हाथी ने बगीचा में जमकर उत्पात मचाया. वहीं हाथी के हमले से पिता, पुत्री व चाचा की मौत हो गई. शोरगुल सुनकर बचाने आए पड़ोसी युवक को भी हाथी ने मौत के घाट उतार दिया. घटना की सूचना पर वन अमला और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है।

गांव के बीच युवक की हत्या, 15 गिरफ्तार

बलौदाबाजार(विश्व परिवार)। जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एक युवक की हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि युवक को बीच चौराहे पर तालिबानी सजा देकर लाठी और डंडों से मौत के घाट उतार दिया है। घटना के बाद आसपास के इलाके में सनसनी का माहौल बना हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, घटना कसडोल थाने के कटवाझर गांव का है। यहां एक युवक की लाठी-डंडो से पीट-पीटकर हत्या कर ? दी गई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले में 15 लोगों को हिरासत में ले लिया है। घटना के बाद आसपास के इलाके में सनसनी का माहौल बना हुआ है। फिलहाल युवक को किसी वजह से तालिबानी सजा दी गई इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस 15 लोगों को हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है और पूछताछ में जुटी हुई है।

लाठी-डंडे से पीट-पीटकर युवक की हत्या

बलौदाबाजार(विश्व परिवार)। लाठी-डंडे से पीट-पीटकर एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है. सूत्रों के मुताबिक मृतक आदतन बदमाश था और ग्रामीण परेशान रहते थे. बीती रात ग्रामीणों ने युवक को लाठी डंडों से पीट पीटकर मौत के घाट उतारा. इस मामले में कसडोल पुलिस ने 15 ग्रामीणों को हिरासत में लिया है. यह घटना कसडोल थाना क्षेत्र के सुदूर गांव कोटियाझर की है. मृतक का नाम जयकुमार ठाकुर उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम कोटियाझर है. घटना के बाद आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है. पुलिस मामला दर्ज कर 15 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही. शाम तक हत्या के कारणों का खुलासाअ हो सकेगा.

डाकघर के काउंटर से प्राप्त कर सकते है गंगोत्री का गंगाजल

रायगढ(विश्व परिवार)। भारतीय डाक विभाग अपने विभिन्न डाकघरों के माध्यम से आम नागरिकों को निरंतर कई महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहा है। इन्ही सेवाओं में से एक महत्वपूर्ण सेवा गंगाजल का विक्रय किया जाना है। जिसके तहत प्रत्येक आम नागरिक मात्र 30 रूपये में 250 एम.एल. प्रतिबोतल गंगोत्री का शुद्ध गंगाजल डाकघर के काउंटर से प्राप्त कर सकते हैं। चूंकि अभी श्रावण का पावन महीना चल रहा है। अत: इस अवसर पर गंगाजल का महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक ने एनटीपीसी कोरबा प्लांट में वर्षा जल संचयन प्रणाली का उद्घाटन किया

जल सकारात्मकता की ओर एक मील का पत्थर

कोरबा(विश्व परिवार)। पर्यावरणीय स्थिरता और संसाधन संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक के श्री प्रदीप्त कुमार मिश्रा ने 3 अगस्त 2024 को कोरबा प्लांट में अत्याधुनिक वर्षा जल संचयन प्रणाली का उद्घाटन किया। यह समारोह कोरबा के परियोजना प्रमुख श्री राजीव खन्ना, जनरल मैनेजर्स , और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया, और यह कोरबा प्लांट को जल-सकारात्मक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत का प्रतीक था। नई स्थापित वर्षा जल संचयन प्रणाली प्लांट की पर्यावरणीय रणनीति में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है। वर्षा के पानी को कैप्चर और रिसायकल करके, यह प्रणाली न केवल प्लांट की बाहरी जल पर निर्भरता को कम करेगी बल्कि सतत जल प्रबंधन प्रथाओं में भी योगदान करेगी। यह पहल ऋश्वष्ठ ङ्घक्र-ङ्खङ्ख की पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और परिचालन की दक्षता को बढ़ाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। उद्घाटन समारोह ने प्लांट की नेतृत्व और स्टाफ की सहयोगात्मक प्रयास और समर्पण को जल सकारात्मकता प्राप्त करने की दिशा में उजागर किया। यह घटना पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए नवाचारपूर्ण प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने के महत्व को रेखांकित करती है। इस वर्षा जल संचयन प्रणाली का लॉन्च हमारे कोरबा प्लांट के लिए एक मील का पत्थर है, कोरबा के प्लांट हेड) श्री राजीव खन्ना ने कहा। यह हमारे जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन की प्रतिबद्धता का प्रतीक है और हमारे संचालन में पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए एक नया मानक स्थापित करता है। जनरल मैनेजर्स और वरिष्ठ अधिकारियों ने इस पहल की सराहना की और इसके प्लांट के सतत प्रथाओं के प्रति समर्पण को मजबूत करने में भूमिका की स्वीकृति दी। प्रणाली की क्षमता वर्षा के पानी को रिसायकल और पुन: उपयोग करने की, जल दक्षता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी और जल सकारात्मकता के समग्र लक्ष्य में योगदान करेगी।

महुआ शराब बनाने वाली महिला पकड़ाई,105 लीटर शराब जप्त

बलौदाबाजार-भाटापारा(विश्व परिवार)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने अवैध महुआ शराब बनाने वाले अड्डे पत्थरी सबरिया डेरा टुण्डरा में छापामार कर 105 लीटर अवैध महुआ शराब जप्त किया है साथ ही महुआ शराब बनाने में इस्तेमाल लगभग एक लाख 5 हजार कीमत मूल्य का 15 क्विंटल महुआ पास (लहान) बरामद कर मौके पर ही नष्ट किया गया है। मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि टुण्डरा पत्थरी सबरिया डेरा में आसपास के क्षेत्र में सप्लाई करने के लिए एक शराब कोचिया द्वारा भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब बनाकर डम्प किया गया है। इसके साथ ही अवैध महुआ शराब बनाने के लिए महुआ पास (लहान) भी भारी मात्रा में रखा गया है, जिसका उपयोग आगे चलकर महुआ शराब बनाने में किया जाएगा। सूचना पर शनिवार को निरीक्षक के.सी.दास, प्रधान आरक्षक पीलाराम, नरेश खूंटे, आरक्षक सुजीत तंबोली, रामलाल, मिलन साहू, विजय मिलन एवं महिला आरक्षक उर्मिला एक्का की पुलिस टीम द्वारा सुनियोजित योजना बनाकर पत्थरी सबरिया डेरा में छापा मारा गया। इस दौरान मौके पर अवैध महुआ शराब के सांथ आरोपी फू लबाई उर्फ करेहीन उम्र 46 साल निवासी पत्थरी सबरिया डेरा टुण्डरा थाना गिधौरी को पकड़ा गया है। आरोपिया से 21 हजार कीमत मूल्य का 105 लीटर महुआ शराब जप्त किया गया है।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत सरायपाली में भव्य बाइक रैली का आयोजन

महासमुंद(विश्व परिवार)। सरायपाली विकासखंड में आज हर घर तिरंगा अभियान को प्रोत्साहन देने के लिए एक भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली अनुविभागीय अधिकारी श्री ओंकारेश्वर सिंह के नेतृत्व में सरायपाली से शुरू होकर विभिन्न ग्रामों से होते हुए ऐतिहासिक शिशुपाल पर्वत तक पहुँची। रैली के दौरान ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक रैली का स्वागत किया। शिशुपाल पर्वत पर पहुँचने के बाद, वहां साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस मौके पर बिहान मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई और लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर उपस्थित एसडीएम ने सभी को हर घर तिरंगा अभियान के महत्व और स्वच्छ भारत अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानों के सामने कचरा पेटी रखें और स्वच्छता को बनाए रखने में सहयोग दें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगो में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और स्वच्छता के महत्व को समझाना था। रैली में शामिल लोगों ने तिरंगा झंडा लहराया और देशभक्ति के गीत गाए। रैली में भाग लेने वालों का उत्साह देखते ही बनता था और इस आयोजन ने सरायपाली के नागरिकों के बीच देशभक्ति और स्वच्छता के प्रति जागरूकता को और अधिक प्रबल किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी ग्राम पंचायतों और स्थानीय नागरिकों का योगदान सराहनीय रहा।

प्रकृति और संस्कृति की रक्षा के साथ-साथ देश की रक्षा में भी आदिवासी समाज का योगदान अतुलनीय : भावना बोहरा

भाजपा सरकार की कुशल नीतियों एवं कल्याणकारी योजनाओं से आदिवासी समाज विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहें हैं : भावना बोहरा

कवर्धा(विश्व परिवार),। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बुढ़ादेव राजगोंड समाज सेवा समिति द्वारा शनिवार को ग्राम महिडबरा में विश्व आदिवासी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने सभी को विश्वास आदिवासी दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दी और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं प्रकृति के संरक्षण में आदिवासी समाज की अतुलनीय भूमिका के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि प्रकृति और संस्कृति की रक्षा के साथ-साथ देश की रक्षा में भी आदिवासी समाज का योगदान अतुलनीय है। हमारे जल,जंगल और जमीन की सुरक्षा एवं पर्यावरण के प्रति आदिवासी समाज के अटूट प्रेम की वजह से ही आज हमारे प्राकृतिक धरोहरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। प्रकृति के साथ-साथ हमारी धार्मिक परम्पराओं, आस्था के केन्द्रों, पौराणिक सभ्यताओं और आने वाली पीढ़ियों को भारत की गौरवशाली धरोहरों से अवगत कराने के लिए आदिवासी समाज के अथक परिश्रम तथा योगदान को हम सभी नमन करते हैं। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की वीरता और भगवान बूढ़ादेव जी की कृपा से आदिवासी समाज की ऐतिहासिक उपलब्धियों, स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी तथा प्रकृति के प्रति उनकी आस्था से ही हमारे समृद्ध भारत की पुरातन संस्कृति जिवंत हो उठती है। भारत का अतीत, भारत का इतिहास, भारत का वर्तमान और भारत का भविष्य आदिवासी समाज के बिना पूरा नहीं होता। हमारी आजादी की लड़ाई का भी पग-पग, इतिहास का पन्ना-पन्ना आदिवासी समाज की वीरता से भरा पड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि आज छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज का हमारे सांस्कृतिक व पारंपरिक संस्कृति को सहेजने में बहुमूल्य योगदान है।वे देश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ ही प्राकृतिक धरोहर जल, जंगल और जमीन का संरक्षण करने का भी काम कर रहें हैं। यहां की परम्पराएं, रीति-रिवाज और संस्कृति अपने आप में खास है।

बालको ने टीबी रोग की रोकथाम और नियंत्रण के लिए चलाया जागरूकता अभियान

कोरबा(विश्व परिवार)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने टीबी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला आरोग्य समिति (मास) और ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति (वीएचएसएनसी) के सदस्यों के बीच जागरूकता को बढ़ाने के लिए किया गया। डॉ. जी.एस. जात्रा नोडल अधिकारी टीबी/एचआईवी कार्यक्रम, कोरबा के नेतृत्व में प्रशिक्षण दिया गया। कंपनी द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दो बैचों में 100 से अधिक सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य मास और वीएचएसएनसी सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्र में टीबी रोग नियंत्रण और रोकथाम को लेकर उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना। कार्यक्रम की मदद से मास और वीएचएसएनसी सदस्यों की क्षमता बढ़ाने के साथ सदस्यों द्वारा एक कार्य योजना विकसित करना जिससे टीबी रोग की चुनौतियों का सामना किया जा सके। कंपनी ने टीबी जागरूकता अभियान के तहत स्थानीय स्वास्थ्य निकाय (मास और वीएचएसएनसी) के 45 फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के रूप में तैयार किया। टीबी मुक्त भविष्य के लिए टीबी जागरूकता, पहचान, कारण, संपर्क ट्रेसिंग और परीक्षण में सुधार आदि के बारे में 600 से अधिक सामुदायिक सदस्यों को जागरूक किया गया। टीबी से पीड़ित व्यक्तियों के उपचार और स्वास्थ्य सुधार में उचित पोषण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक संतुलित आहार प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने, समग्र स्वास्थ्य में सुधार करने और टीबी दवाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाने में मदद करता है। पोषणयुक्त आहार सुनिश्चित करने के लिए कंपनी ने जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से निक्षय मित्र पहल को लागू किया। इसके अंतर्गत कंपनी ने 56 गांवों के 22 टीबी रोगियों के आहार के लिए 6 महीने तक कर्मचारियों की स्वयंसेवा के माध्यम से वित्तीय सहायता दी गई। सहायता प्राप्त 90 प्रतिशत लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ तथा उपचाराधीन बाकी रोगियों के ठीक होने की संभावना सकारात्मक है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि कंपनी अपने संयंत्र के आसपास के समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम से समुदाय में टीबी रोग की पहचान कर उनका करने में आसानी होगी। समुदाय के स्वास्थ्य देखभाल को सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाना है और इसके साथ दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और समुदाय के कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। डॉ. जी.एस. जात्रा नोडल अधिकारी ने बालको मितान भवन में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मास और वीएचएसएनसी के सदस्य समुदाय में टीबी रोग नियंत्रण और रोकथाम पर चर्चा करके जागरूकता बढ़ाने का कार्य करें। प्रशिक्षण में मिली जानकारी से सदस्य समुदाय में टीबी रोग पर फैली भ्रांतियों को दूर करने का काम करें। इस तरह के कार्यक्रम कंपनी द्वारा समुदाय के स्वास्थ्य एवं भलाई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर सोमवार 12 अगस्त 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

आम जन को न्याय पाने में ज्यादा हलकान होना पड़ता

भारत के प्रधानमंत्री जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने दोटूक कहा है कि लोग अदालतों से इतने तंग' आ गए हैं कि वे बस समझौता चाहते हैं। वे कहते हैं कि बस, अदालत से दूर करा दीजिए। जस्टिस चंद्रचूड़ विशेष लोक अदालत सप्ताह के दौरान शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में लोक अदालतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि लोगों में इस प्रकार की भावना उभरना बतौर जज हम लोगों के लिए गहन चिंता का विषय है। बेशक, लोगों का अदालती मामलों से त्रस्त होकर छुटकारा पाने उत्कट इच्छा न्याय व्यवस्था के लिए कोई अच्छी बात नहीं है। इससे संदेश यह निकलता है कि व्यवस्था लोगों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही है। और इसलिए उन्हें मजबूरी में मामलों में समझौता करने की राह चुनना बेहतर लगता है। समझौता कोई न्याय नहीं है, बल्कि मजबूरी में किया गया उपाय है, जो समाज में पहले से मौजूद असमानताओं को ही दर्शाता है। जैसा कि प्रधान न्यायाधीश ने भी इंगित किया है कि यह स्थिति अपने आप में सजा है। लोक अदालत की अवधारणा इस स्थिति से निजात दिलाती हैं जहां आपसी समझौते और सहमति से मामलों को सुलटाया जाता है और कोई भी अपने आप को मजबूर या न्याय से वंचित हुआ नहीं पाता। लोक अदालत से मामले का निस्तारण होने पर फैसले के खिलाफ अपील नहीं की जा सकती। सबसे अच्छी बात यह है कि फैसला परस्पर सहमति के आधार पर किया जाता है। कहना न होगा कि तमाम मामले ऐसे होते हैं, जिन्हें आपसी सहमति से सुलझाया सकता है। सबसे बड़ा तो यह कि लोक अदालत के माध्यम से न्याय दिया जाना अदालतों पर मुकदमों के भार को कम करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपक्रम है। यहां फैसला किसी भी रूप में थोपा हुआ करार नहीं दिया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि लोक अदालत की अवधारणा को संस्था के रूप मजबूत किया जाए। न्याय की पहुंच आम नागरिकों तक सुनिश्चित करने की बात हमारे संविधान में निहित है, लेकिन नौबत यह है कि आम जन न्याय पाने की बजाय हलकान ज्यादा हो जाता है। यह स्थिति लोकतांत्रिक समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती। जिस समाज में आम जन को न्याय पाने में हलकान होना पड़ जाए उसे किसी भी सूरत में अभीष्ट या आदर्श समाज नहीं कहा जा सकता। लोक अदालत सार्थक हैं क्योंकि इनका उद्देश्य ही लोगों के घरों तक न्याय पहुंचाना है।

देश में कांवड़ यात्रा या तांडव यात्रा.....

अनुज आचार्य

प्रशासन को सामान्य लोगों की सुरक्षा एवं वाहनों से तोडफ़ोड़ करने वालों से सख्ती से पेश आने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी तोडफ़ोड़ की ऐसी घटनाओं को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने पुलिस को सख्त निर्देश दिए हैं कि जो कांवड़िए तोडफ़ोड़ की घटनाओं में संलिप्त रहे हैं या जिस किसी ने भी कानून को अपने हाथ में लिया है, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस यात्रा के दौरान कई युवा कांवडियों को नशा करते हुए भी देखा जा सकता है इस वर्ष कांवड़ यात्रा 22 जुलाई 2024 से शुरू हो गई है और इसकी समाप्ति 19 अगस्त को होगी। हर साल सावन में भगवान शिव के लाखों भक्त कांवड़ यात्रा पर जाते हैं। कांवड़, जिसे कावड़ भी कहते हैं, की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को कांवरिया या कांवडिया कहकर पुकारा जाता है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िए सुल्तानगंज, गंगोत्री, गौमुख और हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थानों से गंगा जल लाने के लिए जाते हैं और फिर इस जल को वे अपने गृह नगर के शिव मंदिर में चढ़ाते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत ऋषि जमदग्नि के पुत्र भगवान परशुराम ने की थी। कथा के अनुसार वे गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर निकले थे और सीधे उत्तर प्रदेश के पुरा पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक किया था। ऐसी भी किंवदंती है कि सबसे पहले यह यात्रा श्रवण कुमार ने की थी। जब उनके माता-पिता ने गंगा स्नान करने की इच्छा जताई तो वह उन्हें कांवड़ में बैठाकर यात्रा पर निकले थे। इसके बाद वे हरिद्वार पहुंचे और गंगा स्नान कराने के बाद जल अपने साथ लेकर आए थे। कांवड़ यात्रा एक महीने तक चलने वाला त्योहार है जिसमें कांवड़िए भगवा रंग के कपड़े पहनते हैं और चुने हुए तीर्थ स्थलों से पवित्र जल लेने के लिए नंगे पैर चलते हैं। आम तौर पर कांवड़ यात्रा चार तरीकों से सम्पूर्ण की जाती है। पहली डाक कांवड़, इसमें कांवडिये यात्रा की शुरुआत से शिव के जलाभिषेक तक बगैर रुके लगातार चलते रहते हैं और शिवधाम तक की यात्रा एक निश्चित समय में तय करते हैं। यह समय अमूमन 24 घंटे के आसपास होता है। इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं तक वर्जित होती हैं। दूसरी खड़ी कांवड़ यात्रा है जिसमें कुछ भक्त खड़ी कांवड़ लेकर चलते हैं। इस दौरान उनकी मदद के लिए कोई न कोई सहयोगी उनके साथ चलता है। जब वे आराम करते हैं तो सहयोगी अपने कंधे पर उनकी कांवड़ लेकर कांवड़ को चलने के अंदाज में हिलाते डुलाते रहते हैं। तीसरी दांडी कांवड़ यात्रा होती है। इसमें भक्तगण नदी तट से शिवधाम तक की यात्रा दंड देते हुए पूरी करते हैं। मतलब कांवड़ पथ की दूरी को अपने शरीर की लंबाई से लेट कर नापते हुए यात्रा पूरी करते हैं। चौथी कांवड़ यात्रा सामान्य होती है। इसमें अधिकांश कांवड़िए कांवड़ के साथ अथवा बिना कांवड़ के पैदल ही चलते हुए गंगाधाम से घर तक की दूरी पूरी करते हैं। कई लोग कुछ किलोमीटर से दो हजार किलोमीटर तक की कांवड़ यात्रा भी करते हैं। वर्तमान समय में कांवड़ यात्रा के तौर तरीकों में बदलाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया में कांवड़ यात्रा के जो वीडियो देखने को मिलते हैं, उनमें फूहड़ता, अश्लील आचरण और हुड़दंग मचाते अधिकतर ग्रामीण पृष्ठभूमि के निम्न मध्यमवर्गीय, सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि के कम पढ़े लिखे युवा दिखाई देते हैं जिनकी गतिविधियां शिक्षित एवं जागरूक लोगों में वितृष्णा का भाव भी पैदा करती हैं। इस पवित्र यात्रा में भाग लेने वाले लोगों के लिए सभी धर्मों के लोगों द्वारा की जाने वाली सुंदर व्यवस्थाएं भी चंद उद्दंड युवाओं के टोलों द्वारा की जाने वाली तोडफ़ोड़ और मारपीट के कारण धरी की धरी रह जाती हैं। कहीं कहीं लडक़े, युवा लड़कियों और कांवड़ यात्रियों के शरीर और पैरों पर जल डालकर उन्हें राहत देने का प्रयास करते दिख जाते हैं। इस कांवड़ यात्रा में कई अनोखे रंग-ढंग की कांवड़ भी देखने को मिलती हैं तो दस करोड़ रुपए वाली डीजे भी है, जेसीबी, स्कूटी/बाइक और तरह तरह की झांकीनुमा सुंदर कांवड़ भी हैं। कांवड़ यात्रा का एक दुखद पहलू भी है और वह है हुड़दंगबाजों की जमात द्वारा मारपीट और गाडियों की तोडफ़ोड़ करना जिससे शरीफ लोगों में दहशत का माहौल पैदा होता है। चूंकि 3 करोड़ से ज्यादा कांवड़िए हरिद्वार से विभिन्न मार्गों पर निकलते हैं, लिहाजा सडक़ों पर भयंकर जाम की स्थितियां निर्मित हो जाती हैं और कांवडियों से थोड़ा सा भी छू जाने पर गाडियों वालों की जान पर बन आती है, क्योंकि भक्त कांवडियों के वेष में शरारती तत्व गुंडागर्दी पर उतर आते हैं। प्रशासन को सामान्य लोगों की सुरक्षा एवं वाहनों से तोडफ़ोड़ करने वालों से सख्ती से पेश आने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी तोडफ़ोड़ की ऐसी घटनाओं को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने पुलिस को सख्त निर्देश दिए हैं कि जो कांवड़िए तोडफ़ोड़ की घटनाओं में संलिप्त रहे हैं या जिस किसी ने भी कानून को अपने हाथ में लिया है, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस यात्रा के दौरान कई युवा कांवडियों को नशा करते हुए भी देखा जा सकता है। एक कांवडिया तो कैमरे के सामने चरस दिखाते हुए दावा करता नजर आता है कि वह डेढ़ लाख रुपए की चरस लेकर चल रहा है, जिसका सेवन वह खुद भी कर रहा है और साथ चल रहे साथियों को भी करवा रहा है। कांवडियों द्वारा हरिद्वार के घाटों पर फैलाई गई गंदगी से गंगा मैया की पवित्रता भी दूषित हुई है। इस कांवड़ यात्रा में कुछ मनोरंजक पहलू भी देखने को मिलते हैं जैसे विशाल ट्रकों पर डीजे सॉउन्ड सिस्टम और कई जगहों पर डीजे सिस्टम वालों का आपसी मुकाबला भी देखने को मिलता है और ट्राफी भी दी जाती है। पौराणिक कथा के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत ऋषि जमदग्नि के पुत्र भगवान परशुराम ने की थी। कथा के अनुसार वे गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर निकले थे और सीधे उत्तर प्रदेश के पुरा पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक किया था। ऐसी भी किंवदंती है कि सबसे पहले यह यात्रा श्रवण कुमार ने की थी। जब उनके माता-पिता ने गंगा स्नान करने की इच्छा जताई तो वह उन्हें कांवड़ में बैठाकर यात्रा पर निकले थे। इसके बाद वे हरिद्वार पहुंचे और गंगा स्नान कराने के बाद जल अपने साथ लेकर आए थे। कांवड़ यात्रा एक महीने तक चलने वाला त्योहार है जिसमें कांवड़िए भगवा रंग के कपड़े पहनते हैं और चुने हुए तीर्थ स्थलों से पवित्र जल लेने के लिए नंगे पैर चलते हैं। आम तौर पर कांवड़ यात्रा चार तरीकों से सम्पूर्ण की जाती है। पहली डाक कांवड़, इसमें कांवडिये यात्रा की शुरुआत से शिव के जलाभिषेक तक बगैर रुके लगातार चलते रहते हैं और शिवधाम तक की यात्रा एक निश्चित समय में तय करते हैं। यह समय अमूमन 24 घंटे के आसपास होता है। इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं तक वर्जित होती हैं। दूसरी खड़ी कांवड़ यात्रा है जिसमें कुछ भक्त खड़ी कांवड़ लेकर चलते हैं। इस दौरान उनकी मदद के लिए कोई न कोई सहयोगी उनके साथ चलता है। जब वे आराम करते हैं तो सहयोगी अपने कंधे पर उनकी कांवड़ लेकर कांवड़ को चलने के अंदाज में हिलाते डुलाते रहते हैं।

आलेख

सबका साथ-सबका विकास की जमीनी हकीकत जाने.....

अजय दीक्षित

2014 में प्रधानमंत्री के रूप में मोदीजी ने पदभार संभालते ही सबका साथ-सबका विकास का नारा दिया और पूरी लगन से इस पर अमल भी किया और आज भी किया जा रहा है । कालांतर में इसमें सब का विश्वास और सब का प्रयास भी जोड़ दिया गया । परन्तु तेजी से अन्य पार्टियों के लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं और स्वयं भाजपा के कुछ प्रवक्ता इसमें पलीता लगा रहे हैं, उसे चिंता बढ़ रही है । इसी कारण पिछले दिनों मोदी जी ने न केवल भाजपा के अपितु सहयोगी दलों को सभी प्रवक्ताओं का बायोडाटा मांगा है ताकि स्क्रीनिंग की जा सके । यह जरूरी भी है क्योंकि अनेक प्रवक्ता पार्टी लाइन के बाहर या भड़काऊ या विपदा पैदा करने वाले बयान दे देते हैं । कई बार अन्य राजनैतिक दलों के नेताओं का नाम लेकर भी उनका मज़ाक उड़ाया जाता है । मोदीजी का नया नारा है पार्टी से बढ़कर देश वे कहते हैं हमें 2047 में भारत को विश्व का सिरमौर बनाना होगा । उनके अनुसार पार्टियों का संघर्ष 2024 के चुनाव के बाद खत्म हो गया, अब हमें पार्टी लाइन से ऊपर उठकर देश के बारे में सोचना है । भारत में छ: ग्रुप अल्पसंख्यक माने जाते हैं -- सिख, जैन, ईसाई, पारसी, मुसलमान और बौद्ध । इस समय केन्द्रीय मंत्रिमंडल में रवनीत सिंह व हरदीप पुरी सिख हैं । रामदास आठवले बौद्ध हैं । मंत्रिमंडल में ईसाई और जैन भी हैं । अब कोई पारसी मंत्रिमंडल में नहीं हैं । स्मृति ईरानी अमेठी से हारने के बाद अब उन्हें मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है । वैसे वे पारसी इस कारण हैं कि उन्होंने एक पारसी से शादी की है । परन्तु मंत्रिमंडल में कोई भी मुसलमान मंत्री नहीं है । असल में भाजपा का कोई भी सांसद मुसलमान नहीं हैं । यूं सहयोगी पार्टियों के कई सांसद मुसलमान हैं । असल में जमीनी स्तर पर कोई भेदभाव नहीं होता है । झुग्गी झोपड़ी वालों को फ्री घर मिलने में मुसलमान भी शामिल हैं । मुस्लिम महिलाओं को भी फ्री गैस सिलेण्डर मिला है । किसी भी सरकारी स्कीम में कोई भेदभाव नहीं है । परन्तु जब कांवड़ यात्रा के दौरान मस्जिदों और मज़ारों को ढंकने की बात आती है या मुसलमानों द्वारा हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर दुकान/होटल चलाने में आपत्ति होती है तो चिंता स्वाभाविक है । देश में ऐसा कोई कानून नहीं है कि कोई भी मुसलमान हिन्दू नाम नहीं रख सकता अपनी दुकान का । बात शुद्धता है । अनेक मुसलमानों ने कांवडियों के लिए शिविर लगाये हैं । वे उन पर पुष्प वर्षा करते हैं । उग्र हिन्दुत्व से देश का भला नहीं होने वाला है । आजकल संबित पात्रा का नाम सुनाई नहीं पड़ता । वे 2019 के लोकसभा चुनाव में पुरी (उड़ीसा) से हार गये थे । परन्तु 2024 में वे पुरी से जीत कर अब सांसद हैं । इसका एक बड़ा कारण यह है कि कांग्रेस की महिला उम्मीदवार ने अपना नाम वापिस ले लिया था । शायद संबित पात्रा उड़ीसा के मुख्यमंत्री बनना चाहते हों । उन्हें केन्द्रीय मंत्रिमंडल में भी जगह नहीं मिली है । जो भी हो वे एक कुशल ई.एन.टी. सर्जन हैं । शायद फिर से प्रैक्टिस शुरू करें । असल में पार्टी लाइन की रक्षा के लिए सभी प्रवक्ताओं की स्क्रीनिंग बहुत जरूरी हैं । उनके लिए गाइड लाइन निर्धारित होनी चाहिए और अन्य पार्टियों के नेताओं पर अनर्गल भी नहीं बोलना चाहिए । पक्ष और विपक्ष में शत्रुता नहीं है । यह विचारधारा का अंतर है और प्रजातंत्र में वैचारिक मतभेद शुभ लक्षण है ।

तिरंगे के रचयिता को ही राष्ट्रध्वज नसीब न हुआ !!

के. विक्रम राव X ID (Twitter) : @kvikramraov

हर घर तिरंगा के पावन दिन पर आज यह सियासी दुखांतिका है, राष्ट्रीय त्रासदी भी। जिन्हें नाज है हिन्द पर वे सभी जान ले। राष्ट्रध्वज के रुपरेखाकार पिंगली वैंकय्या एक तेलुगुभाषी निर्धन स्कूल मास्टर थे। वे कंगाली में जन्में (2 अगस्त 1876 : सागरतटीय मछलीपत्तनम, आंध्र) तथा अभाव में पले। इस विप्र के शवदाह में पर्याप्त ईधन नहीं मिला। उनका अधूरा ख्वाब था कि तिरंगे में लपेटकर उनकी लाश ले जायी जाये। आज (10 अगस्त) मीडिया और नरेन्द्र मोदी से लेकर सभी उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। वैंकय्या ने जीवन में कई ज्वारभाटा देखे। मेधावी छात्र थे। लाहौर के वैदिक महाविद्यालय में उर्दू और जापानी के अध्यापक रहे। कैंब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री ली। मगर भारत लौटकर आये तो निजी रेलवे कंपनी में जीविका पायी। लखनऊ में भी एक शासकीय नौकरी की। उनके रोजगार में विविधता रही। भूविज्ञान तथा कृषि क्षेत्र में निष्णात रहे। खदानों के जानकार रहे। फिर आयी उनके जीवन की विलक्षण बेला। ब्रिटिश सेना का दक्षिण अफ्रीका में बोयर युद्ध हुआ। भारतीय लोग भी वहीं गये। सर्वाधिक महत्वपूर्ण सैनिक था मोहनदास कर्मचन्द गांधी। वे चिकित्सक (स्वयं सेवक) की भूमिका में थे। तभी वैंकय्या भी ब्रिटिश सैनिक के रोल में गये। गांधीजी से भेंट हुयी, परिचय हुआ। फिर भारत में राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन में दोनों में प्रगाढ़ता सर्जी।

तभी का किस्सा है। चालुक्यों की गौरवमीय राजधानी रही काकीनाडा (गोदावरी तटीय) की घटना है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन (26 दिसंबर 1923) हुआ। यह चालुक्यों के सम्राट पुलकेशिन से जुड़ा था। यहीं वैंकय्या ने कांग्रेस में शरीक होकर राष्ट्रीय ध्वज के प्रारुप पर चर्चा किया था। यह अधिवेशन दो घटनाओं के लिये ऐतिहासिक था। यहीं मौलाना मोहम्मद अली ने कांग्रेस अध्यक्ष के रुप में वन्दे मातरम् गाने पर एतराज किया था। वाक आउट किया। तभी से यह राष्ट्रगान अधूरा हो गया। इसी अधिवेशन में राष्ट्रीय कांग्रेस ने तय किया कि स्वतंत्रता के बाद भारत का भाषा के आधार पर पुनर्गठन किया जायेगा।

सर्वाधिक निर्धार जब महत्वपूर्ण था कि काकीनाडा अधिवेशन में ही वैंकय्या ने राष्ट्रध्वज की आवश्यकता पर बल दिया था। उनका यह विचार गांधीजी को बहुत पसन्द आया। गांधीजी ने उन्हें राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप तैयार करने का सुझाव दिया।

पिंगली वैंकय्या ने पाँच सालों तक तीस विभिन्न

देशों के राष्ट्रीय ध्वजों पर शोध किया और अंत में तिरंगे के लिए सोचा। विजयवाड़ा में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में पिंगली वैंकय्या महात्मा गांधी से मिले थे और उन्हें अपने द्वारा डिज़ाइन लाल और हरे रंग से बनाया हुआ झंडा दिखाया। तब तक ब्रिटिश यूनियन जैक ध्वजा ही कांग्रेस सम्मेलनों में फ्हरती थी। मगर बाद में तिरंगा फ्हरने लगा। देश में कांग्रेस पार्टी के सारे अधिवेशनों में दो रंगों वाले अंग्रेजी झंडों का प्रयोग बंद हो गया। लेकिन उस समय इस झंडे को कांग्रेस की ओर से अधिकारिक तौर पर स्वीकृति नहीं मिली थी। इस बीच जालंधर के हंसराज ने झंडे में चक्र चिन्ह बनाने का सुझाव दिया। इस चक्र को प्रगति और आम आदमी के प्रतीक के रूप में माना गया। बाद में गांधी जी के सुझाव पर पिंगली वैंकय्या ने शांति के प्रतीक सफेद रंग को भी राष्ट्रीय ध्वज में शामिल किया। बाद में 1931 में कांग्रेस ने कराची के अखिल भारतीय सम्मेलन में केसरिया, सफ़ेद और हरे तीन रंगों से बने इस ध्वज को सर्वसम्मति से स्वीकार किया। फिर राष्ट्रीय ध्वज में इस तिरंगे के बीच चरखे की जगह अशोक चक्र ने ले ली।

राष्ट्रध्वज वैंकय्या द्वारा निरुपित हो जाने से गीत का प्रस्ताव आया इसी की पंक्ति थी जो हमलोग गुलाम भारत (1945—46) में स्कूलों में गाते थे।

ध्वज गीत की रचना श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने की थी। पद वाले इस मूल गीत से बाद में कांग्रेस ने तीन पद (पद संख्या 1, 6 व 7) को संशोधित करके 'ध्वजगीत' के रूप में मान्यता दी। यह गीत न केवल राष्ट्रीय गीत घोषित हुआ बल्कि अनेक नौजवानों और नवयुवतियों के लिये देश पर मर मिटनें हेतु प्रेरणा का स्रोत भी बना : ' 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा। सदा शक्ति बरसाने वाला, प्रेम सुधा सरसाने वाला। वीरों को हरषाने वाला, मातृभूमि का तन-मन सारा। जब 9 अगस्त 1942 में गवालिया टैंक मैदान मुम्बई (अगस्त क्रांति मैदान) में सारे नेताओं के कैद हो जाने पर क्रांतिकारी अरुणा आसफ अली ने यह ध्वज फ्हराया था। वे भी गुनगुना रही थी : ' 'इसकी शान न जाने पाये। चाहे जाने भले ही जाये।''

मगर इतिहास की विडंबना है कि भारी विरोध के बाद भी तिरंगा सत्तारुढ कांग्रेस का पार्टी झण्डा भी हो गया। आम जन को भ्रम होता है। राष्ट्रीय कांग्रेस का भारत को भ्रम में डालने का यह एक और किस्सा है। जैसे गांधी उपनाम का नेहरुवंश वालो का इस्तेमाल धोखा ही हुआ।

हिमालय की तासीर को समझिए.....

कुलभूषण उपमन्यु

पश्चिमी हिमालय में इस वर्ष फिर प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। हिमाचल प्रदेश में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। यहां 13 लोगों की लाशें मिली हैं और अभी तक 55 लोग गुम हैं। कुल मिलाकर 68 लोग काल का ग्रास बन चुके हैं। शिमला-कुल्लू की सीमा पर समेज गांव में सबसे अधिक तबाही हुई है, जहां 41 के करीब बहुमूल्य जानें गई हैं, जिनमें 8 से 10 तो विद्यालय के होनहार छात्रों को हमने खोया है, जो विद्यालय के लिए पुरस्कार जीतने वाली खेल प्रतिभाएं थीं। एक परिवार के तो 14 लोग काल का ग्रास बने हैं। इस दु:ख का तो अनुमान लगाना भी कठिन है। मंडी की चुहार घाटी के राजबन गांव में दस लोग काल का ग्रास बने हैं। कुल्लू जिला का मलाणा बांध आंशिक रूप से टूट गया है। पंडोह बांध के दो गेट खुल नहीं रहे थे। बड़ी मुश्किल से खुले हैं। चंबा के राजनगर में भी बादल फटने से भारी तबाही हुई है। समेज गांव की दुर्घटना का आरंभ श्रीखंड महादेव के नीचे बादल फटने से हुए भूस्खलन से हुआ है। यह काफी ऊंचाई वाला क्षेत्र है। आम तौर पर छह-सात हजार फुट से ज्यादा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश फुहारों के रूप में बहुत धीमी-धीमी होती थी। अब तो ऐसे क्षेत्रों में भी बादल फटने लगे हैं। लाहुल और स्पीति में भी बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। स्पीति के रोंगटोंग प्रोजेक्ट की जल इन टेक व्यवस्था बह गई है। यह सामान्य घटनाएं नहीं हैं। जब 20-30 वर्ग किलोमीटर या इससे कम क्षेत्र में एक घंटे में दस सैंटीमीटर से अधिक वर्षा हो तो उसे बादल फटना कहते हैं। 1970 और 2023 के बीच अकेले हिमाचल प्रदेश में ही इस तरह की घटनाओं में पंद्रह गुणा तक की वृद्धि हुई है। ऊष्ण कटीबंधीय मौसम

विज्ञान विभाग से संबंधित एनआर देशपांडे ने भी एक शोध में 1926 से 2015 के बीच के आंकड़ों के अध्ययन के आधार पर बादल फटने की घटनाओं में वृद्धि की बात कही है। वह इनमें से कई घटनाओं को बादल फटने की लघु घटना के रूप में भी परिभाषित करते हैं। इससे इतनी बात तो तय है कि बादल फटने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। यह सामान्य बात नहीं। इसके पीछे का कारण समझना कठिन नहीं है। वैश्विक तापमान वृद्धि के इस दौर में समुद्र का जल सामान्य से ज्यादा गर्म हो रहा है, जिससे बादलों में सजल-वाष्प की मात्रा अधिक होती है। ये बादल जब छोटी जगह में केन्द्रित होकर बरसते हैं तो एक घंटे में 10 सेंटीमीटर से ज्यादा वर्षा होने पर बादल फटने की स्थितियां पैदा हो जाती हैं। इसे आसान भाषा में समझें तो अत्यधिक वर्षा से जमीन के अंदर रचे हुए या चूसे गए पानी की मात्रा इतनी ज्यादा हो जाती है जिससे वहां की भूमि ढीली हो जाती है और ढलानों के कारण अपने साथ भारी मात्रा में पत्थर-मलबा लिए नीचे बहने लगती है। इसकी तेज गति और हजारों लाखों टन भार के कारण पैदा हुई शक्ति के सामने जो कुछ भी आता है, वह ताश के पत्तों की तरह धराशायी हो जाता है। जमीनें, घर, पेड़ खत्म हो जाते हैं और जिंदगियां काल का ग्रास बन जाती हैं। हालांकि भारी बारिश की भविष्यवाणी कुछ हद तक होने लगी है, किन्तु उसमें इतनी सटीकता लाने की जरूरत है कि जो क्षेत्र 5-10 किलोमीटर के दायरे में अति वृष्टि का शिकार होने वाला है, उसकी पहचान की जा सके। इसके लिए डॉप्लर राडार जगह-जगह लगा कर सटीक भविष्यवाणी करने की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। खासकर जिन स्थलों का इतिहास बादल फटने की घटनाओं का साक्षी रहा है, वहां इसकी व्यवस्था की जानी चाहिए। यह अलग बात है कि इसका आर्थिक बोझ क्या होगा और उसकी व्यवस्था कैसे होगी। किन्तु यदि तकनीक है तो उसकी व्यवस्था की जानी चाहिए, क्योंकि जीवन से ज्यादा मूल्यवान कुछ नहीं है। हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में यह बात इस समय संसद में उठाई जानी चाहिए ताकि सीमित आर्थिक संसाधनों वाले इन राज्यों के लिए संवेदनशील नदी घाटियों में डॉप्लर राडार व्यवस्था स्थापित की जा सके। इससे आपदा राहत व्यवस्था की योजना भी बेहतर बन सकेगी और जान-माल की सुरक्षा करना आसान होगा। राष्ट्रीय स्तर पर हिमालय से जुड़े सांसदों को चाहिए कि वे राजनीतिक भेदभाव छोड़ कर हिमालय की संवेदनशील पारिस्थितिकी को देखते हुए आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए सरकारी योजनाओं को पर्वत विशिष्ट दिशा देने के लिए एक स्वर से आवाज उठाएं, क्योंकि यह तो साबित हो चुका है कि पर्वतीय क्षेत्रों में ज्यादा उखाड़-पछाड़ वाली निर्माण गतिविधियों के कारण भी आपदाओं में वृद्धि हुई है। बजट में इस दृष्टि से आवश्यक संशोधन करके सरकार को भी अपनी सदाशयता का परिचय देना चाहिए, क्योंकि यह लगातार तीन-चार सालों से आपदाओं के बढ़ते भयानक स्वरूप को देखते हुए स्पष्ट हो चुका है कि तत्काल कुछ विशेष कदम उठाना पड़ेगा। विशेष परिस्थिति क्षेत्र होने के चलते हिमालय के लिए अलग मंत्रालय बना कर गंभीर प्रयास शुरू किए जाने चाहिए। हिमालय में कैसा विकास होना चाहिए और क्या-क्या गतिविधियां नहीं होनी चाहिए, इस बात का ध्यान रखना होगा। कई सावधानियां जिनके बारे में नियम भी हैं और जानकारियां भी हैं, उनका भी पालन करने में हम छोटे पड़ जाते हैं। बांध जनित बाढ़ों के उदाहरण से इस बात को समझ सकते हैं कि कैसे उनके उल्लंघन से पंडोह बांध से अचानक पानी छोडऩा पड़ता है। बांध के गेट जरूरत पडऩे पर खुलते क्यों नहीं हैं? सडक़ निर्माण में डंपिंग प्रावधानों की आपराधिक अनदेखी करके हम अपनी और अपने पिछलग्गू ठेकेदारों की जेबें तो भर सकते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/बलौदाबाजार
रायपुर, सोमवार 12 अगस्त 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

84 लाख मंत्रो का महामंत्र णमोकार महामंत्र : आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज

नांदणी (विश्व परिवार)। इक्कीसवी सदी के एक दूर-दृष्टा, युवाओं के प्रेरणा पुंज, आध्यात्मिक प्रवचनों के सफल प्रस्तोवा, आलौकिक व्यक्तित्व एवं विराट् कृतित्व के धनी, वीतरागी श्रमण संस्कृति के आध्यात्मिक सद्गुरु दिगम्बराचार्य का नाम है- अध्यात्मयोगी विशुद्धसागर जी । उगते यौवन के युवाओं को आध्यात्म की ओर अग्रसर कर उनकी सुप्त मानवीय चेतना को पुनर्जाग्रत कर, जीवन मूल्यों और अहिंसा का दिव्य अवदान देने वाले अग्रदूत है पूज्य आचार्यश्री । सहज-सरल व्यक्तित्व के धनी, नवीन दृष्टिकोण, अद्भुत चिंतन एवं आकर्षक लेखन कला में निष्णात, महाप्रज्ञावन्त, नीति-निपुण,वीतरागी वैज्ञानिक है, आचार्य विशुद्धसागर जी मुनिनाथ । नांदणी में चातुर्मासिक धर्मसभा में चर्याशिरोमणी आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज जी ने कहा की-84 लाख मंत्रो का महामंत्र णमोकार महामंत्र है 7 णमोकार महामंत्र से 84 लाख मंत्रों की उत्पत्ति हुई है।

देवों में महान देव अरहंत देव होते हैं। ज्ञान में महान केवलज्ञान है। गुरु में महान गुरु निर्ग्रन्थ गुरु हैं। शास्त्रों में महानशास्त्र सिद्धांत शास्त्र है। उसी प्रकार मंत्रों में महान मंत्र णमोकार मंत्र है।

हम लोग अरिहंत की दिव्य ध्वनि से उपकृत हैं। उपकार की अपेक्षा से प्रथमपद में अरिहंतों को रखना युक्तिसंगत ही हैं।

दूसरी विशेषता यह है कि अरहंत भगवान समवशरण लक्ष्मी को प्राप्त करके भी कमल से चार अंगुल ऊँचे रहने वाले हैं, मानव को जीवन की कला सिखाते हैं कि संसार में रहो पर संसार तुममें न रहे यह ध्यान रहे। कीचड़ में कमल की तरह संसार से निर्लिप्त रहो। आचार्य संघ व्यवस्थापक ही नहीं होता बल्कि अपने समय के चतुर्विध संघ के रक्षण के साथ धर्मप्रसार और धर्मप्रचार कार्य भी करता है। धार्मिक दृष्टि से चतुर्विध संघ की सारी व्यवस्था उन्हीं पर रहती है, उसे व्यवहारज्ञ भी होना चाहिये जिससे लोक में तीर्थंकर द्वारा प्रवर्तित धर्म का भलीभाँति संरक्षण हो सके।

उपाध्याय परमेष्ठि ज्ञान-पिपासुओं को

अध्ययन कराते हैं।

णमोकार महामंत्र का स्मरण चिन्तन करने से ज्ञानावरणीय ,दर्शनावरणीयआदि कर्मों का क्षय होता है। श्रेयोमार्ग की प्राप्ति होती है। अनादि कर्ममल लिप्त आत्मा इस महामंत्र के स्मरण जाप से श्रध्दालु हो सम्यक्त्व की ओर अग्रसर होता है। व्यक्ति को आत्मबल मिलता है । आत्मा में पवित्रता है। शुभ परिणतिक उत्पन्न होती है। वास्तव में णमोकार मंत्र का उद्देश्य मोक्ष प्राप्ति है।और यही इस मंत्र का यथार्थ फल है। णमोकार मंत्र प्राकृत भाषा का मंत्र है। प्राकृत में इसे णमोकार मंत्र कहते हैं। संस्कृत में इसे नमस्कार मंत्र कहते हैं। हिन्दी में इसी का अपभ्रंश नाम नवकार मंत्र है। इस मंत्र के अनेक नाम हैं। इनमें प्रमुख हैं-पंच नमस्कार मंत्र, महामंत्र, अपराजित मंत्र, मूलमंत्र, मंत्रराज, अनादिनिधन मंत्र, मंगल मंत्र आदि। इनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है- (1) पंच नमस्कार मंत्र- जो परम पद (मोक्ष) प्राप्त कर चुके हैं अथवा उस मार्ग पर अग्रसर हैं, ऐसे पांच परमेष्ठियों को इस मंत्र में नमस्कार किया गया है, अत: इसे पंच नमस्कार मंत्र कहते हैं। (2) महामंत्र-अपराजित मंत्र- तीनों लोकों में इस मंत्र के समान कोई मंत्र नहीं है। आचार्य उमास्वामी ने णमोकार मंत्र स्तोत्र में कहा है कि तराजू के एक पलड़े में णमोकार मंत्र और दूसरे में तीन लोक रख दें तो णमोकार मंत्र वाला पलड़ा ही भारी रहेगा।

अत: इसे महामंत्र अथवा अपराजित मंत्र भी कहते हैं।

(3) मूलमंत्र-मंत्रराज- यह मंत्र संसार के सभी मंत्रों का जनक (मूल) है। इससे 84 लाख मंत्रों की उत्पत्ति हुई है। अत: इसे मूल मंत्र अथवा मंत्रराज भी कहते हैं।

(4) अनादि निधन मंत्र- पांचों परमेष्ठी अनन्त काल से होते आ रहे हैं और भविष्य में भी अनन्त काल तक होते रहेंगे। इस प्रकार इनका आदि भी नहीं है और अन्त भी नहीं है। इस मंत्र को किसी ने बनाया नहीं है और न यह कभी नष्ट होगा। अत: यह अनादि-निधन मंत्र कहलाता है। वर्तमान काल की अपेक्षा से आचार्य भूतबलि और पुष्पदन्त ने इस मंत्र को जैनधर्म के महान् ग्रन्थ 'षट्खण्डागम' में सर्व प्रथम प्राकृत भाषा में लिपिबद्ध किया।

(5) मंगल मंत्र- यह मंत्र पापों का नाश करने वाला व मंगल करने वाला है ।

अभिषेक अशोक पाटील, कोल्हापूर

कर्मचारी एवं अधिकारियों के हेतु तनाव प्रबंधन कार्यशाला सतत रूप से है जारी

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिला प्रशासन के विभिन्न विभाग में कार्यरत समस्त अधिकारी -कर्मचारी के लिए तनाव प्रबंधन कार्यक्रम एवं काउंसलिंग प्रदान की जा रही है । उक्त कार्यक्रम 20 जून 2024 से संचालित है जिसमें अब तक 31 बैच बनाकर 465 अधिकारी-कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन एवं काउंसलिंग का लाभ प्रदान किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों में तनाव को कम कर उनकी क्षमता में वृध्दि करते हुए मानसिक स्थिरता प्रदान करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार अवस्थी के अनुसार कार्यक्रम में तनाव प्रबंधन एवं काउंसलिंग जिला चिकित्सालय बलौदा बाजार मनोरोग विभाग से मनोचिकित्सक की देख रेख में साइकाइट्रिक सोशल वर्कर रोशन लाल के द्वारा कराया जा रहा है। इसमें तनाव से संबंधित प्रारंभिक स्व मूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से सभी लोगों के तनाव की गंभीरता को समझा जाता है फिर उसके आधार पर काउंसलिंग एवं तनाव प्रबंधन गतिविधि तैयार की जाती है। मनोचिकित्सक डॉ मधुमिता बैनर्जी ने बताया कि इस कार्यक्रम में तनाव का प्रबंध करने के लिए छोटी-छोटी एक्टिविटी के माध्यम से तनाव को समझना, महसूस करना,तनाव का हमारे शरीर और मन में होने वाले प्रभाव उनके कारण और उनके बचाव के बारे में बताया जाता है, साथ ही कार्यक्षेत्र में कार्य की अधिकता या विषम परिस्थितियों पर उत्पन्न होने वाले तनाव का प्रबंध करने के लिए अधिकारी -कर्मचारियों को तैयार किया जाता है, जिससे कि वह तनाव का प्रबंधन कर सके और आने वाले तनावपूर्ण चुनौतियों का सकारात्मक और ऊर्जावान तरीके से सामना कर सकें.साथ ही मोटिवेशनल जानकारी प्रदान की जाती है। जिला प्रशासन से अब तक पुलिस विभाग,सांख्यिकी विभाग,राजस्व विभाग, कोषालय, स्वास्थ्य,जिला पंचायत, आबकारी विभाग,आदिवासी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, जनसंपर्क विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, आयुर्वेद विभाग, कृषि विभाग,श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, प्रधानमंत्री सड़क योजना, मुख्यमंत्री सड़क योजना,पशु चिकित्सा विभाग,वन एवं उद्यानिकी विभाग, सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं जिला रोजगार कार्यालय एवं अन्य विभाग से अधिकारी/कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन के माध्यम लाभ प्रदान किया गया है।

जिस प्रेम में स्वार्थ न हो या आत्मा के विकास की बात हो वही सच्चा प्रेम है : मणिप्रभसूरीश्वर जी

सूरत। पाल स्थित कुशल कांति खरतरगच्छ जैन संघ के तत्वाधान में चल रहे चतुर्मास में नियमित प्रवचन में आज विशेष प्रवचन में धर्म सभा को संबोधित करते हुवे खरतर गच्छाधिपति आचार्य श्री जिन मणिप्रभसूरीश्वर जी म सा ने कहा की आज श्रावण शुक्ल की पंचमी को अरिहंत परमात्मा श्री नेमीनाथ

भगवान का जन्म कल्याणक दिवस है । इस अवसर पर उन्होंने कहा की जिस प्रेम में स्वार्थ न हो या आत्मा के विकास की बात हो वही सच्चा प्रेम है,जिस प्रेम में लेने देने की बात नही हो,वही सच्चा प्रेम होता है नेमकुमार का प्रेम भवो भवो का प्रेम था लेकिन राजमति का प्रेम अल्प समय का प्रेम था । जैन धर्म में 24 तीर्थंकर में से दो इसे तीर्थंकर थे जिन्होंने विवाह नही किया था श्री मल्लीनाथ भगवान एवम नेमीनाथ भगवान नेमकूमार तीन ज्ञान के धनी थे उनको मालूम था कि मेरा विवाह नही होना है फिर भी लाखो बारातियों के साथ बारात निकली उनको दुनिया को करुणा का अहिंसा का बोध देना था।

राजमति नौ भवो से नेमकुमार का इंतजार कर रही थी दोनो एक दुसरे से सच्चा प्रेम करते थे ।

इंटरनेशनल टीवी क्विज़ शो में नज़र आयेंगी रायपुर की नवनीत

रायपुर। राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर निवासी स. सुरजीत सिंह छाबड़ा-अरमित कौर छाबड़ा कि सुपुत्री नवनीत कौर छाबड़ा गुरमत ज्ञान मिशन प्रतापगढ़ यूपी के सहयोग से आयोजित इंटरनेशनल क्विज शो आओ बनिए गुरसिख प्यारा के 33वें सीज़न के 5वें एपिसोड में सफल होकर रविवार 11 अगस्त 2024 को चढ़दीकला टाइम टीवी के शो में सुबह 10:30 आयेंगी नज़र। कौन बनेगा करोड़पति के तर्ज पर आयोजित यह क्विज़ शो विश्व के लगभग 110 देशों में देखा जाता है और बच्चे-बड़े सभी में विख्यात है इस क्विज़ शो में सिक्ख इतिहास, गुरबाणी की जानकारी और विश्व भर के सिक्खों की उपलब्धियों पर आधारित प्रश्न किए जाते हैं। शहर की होनहार बच्ची नवनीत कौर छाबड़ा जो की लगातार गुरमत ज्ञान, कथा विचार और सिक्ख इतिहास पर आयोजित भाषण, कविता, क्विज शो और लेक्चर मुकाबलों में भाग लेती आ रही है और गुरु महाराज जी की किरपा से शहर, जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के अनेक पुरस्कार जीत चुकी है और कई सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक संस्थाओं द्वारा अनेक पुरस्स्करों एवं अवार्डों से सम्मानित भी की जा चुकी है। उनकी इसी तैयारी के चलते आओ बनिए गुरसिख प्यारा जैसे इंटरनेशनल क्विज शो में सिलेक्शन हुआ ।

राजिम में भगवान पारसनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया गया

राजिम (विश्व परिवार)। आज नयापारा राजिम सदर रोड स्थित शांतिनाथ जिनालय में पारसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक बहुत ही धूमधाम से मनाया गया मंदिर जी ने सुबह अभिषेक के पश्चात शांति धारा का सौभाग्य श्री मनोज कुमार अनिल कुमार जय कुमार जैन परिवार को एवं द्वितीय शांति धारा पंकज प्रकाश जैन परिवार को प्राप्त हुआ। निर्वान् लाडू चड़ाने का सुअवसर रमेश पहाड़िया परिवार मनोज अनिल जयकुमार जैन परिवार एवं राजकुमार ,रवि ,वीर जैन परिवार को मिला

तत्पश्चात पारसनाथ भगवान की प्रतिमा मंदिर जी से शोभायात्रा के रूप में बाजे गाजेके साथ जैन भवन लेकर पहुंचे वहां चर्या श्री एवं स्वाध्याय श्री माताजी के मार्गदर्शन में मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया सर्वप्रथम भगवान का प्रथम अभिषेक करने का सुअवसर किशोर अमित अग्रिम सिंघई ,राहुल चौधरी अतिशय स्वप्निल चौधरी, श्रेणिक चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ अभिषेक के पश्चात शांति धारा श्री अशोक गंगवाल नीरज आकाश गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ दूसरी शांति धारा जयकुमार श्रेणीक चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ मिला अभिषेक शांति धारा के पश्चात माताजी का द्वारा पारसनाथ भगवान के 10 भव का वर्णन कर उनके मोक्ष गमन के विषय में सभी लोगों को जानकारी प्रवचन द्वारा प्रदान की

उसके पश्चात पारसनाथ भगवान की पूजन संगीत के द्वारा पंडित ऋषभ शास्त्री आकाश गंगवाल अभिलाषा जैन ने संपन्न कराई । अंत में निर्वाण कांड का वाचन कर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया प्रथम निर्वान लाडू चड़ाने का सौभाग्य अनीता सिंघई शिल्पी सिंघई अमित अग्रिम सिंघई परिवार को दुतिय निर्वाण लाडू का सौभाग्य नीरज हार्दिक गंगवाल परिवार को तृतीय लाडू राहुल चौधरी तनिस्क चौधरी परिवार को एवं संजय राजू जैन परिवार

एवं रजनी प्रदीप जैन परिवार को प्राप्त हुआ संपूर्ण कार्यक्रम माता जी को मार्गदर्शन में प्रतिष्ठाचार्य पंडित ऋषभ शास्त्री जी के द्वारा संपन्न कराए गए बाहर से आए अतिथियों का सम्मान चातुर्मास कमेटी के द्वारा किया गया ।

दपूमरे के विनोद बने शतरंज के चतुरंग

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ के दौरा आयोजित दो दिवसीय प्रथम अंतर संस्थागत चेस प्रतियोगिता शतरंज के चतुरंग के आयोजन के दूसरे दिन टीम इवेंट एवं इंडिविजुअल इवेंट के बाकी बचे राउंड खेले गएव्यक्तिगत इवेंट में प्रथम स्थान दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के विनोद शर्मा ने हासिल किया उन्हें पहले शतरंज का चतुरंग के खिताब से नवाजा गया वहीं द्वितीय स्थान पर ऑडिट ऑफिस के योगेश पाण्डे रहे तीसरे स्थान पर दीपक राजपूत भारतीय महालेखाकार (ऑडिट) ऑफिस के खिलाड़ी ने अपना स्थान सुनिश्चित किया।

टीम इवेंट में ऑडिट

ऑफिस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जिसमें योगेश पाण्डेय ने नेतृत्व किया। वहीं दूसरे स्थान पर लक्ष्मी नारायण के नेतृत्व में डब्ल्यू आरएस की टीम रही / तृतीय स्थान पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रही टीम के सदस्य विनोद कुमार शर्मा रवि कुमार पाठक हरिवंश अग्रवाल के मनोज कुमार थे।

प्रतियोगिता के समापन समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप में मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार उपस्थिति रहे ।उन्होंने प्रतियोगिता में आये सभी केन्द्रीय विभागों को प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और साथ ही इस प्रकार के बड़े आयोजन करते रहने की घोषणा की ! वहीं मंडल के वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी श्री राहुल गर्ग ने आने वाले प्रतियोगिताओं को और भी बडा करने का आश्वासन दिया। विजेताओं को ट्रॉफी , सर्टिफिक्रेट एंड नकद पुरस्कार दिए गए!

मंडल क्रीड़ा सचिव दीपक प्रधान ने मंडल रेल प्रबंधक, सीनियर स्पोर्ट ऑफिसर , प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों , स्पॉन्सर अल्ट्राटेक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया , एसबीआई एवं सभी विभागों को धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया।

यह दो दिवसीय अंतर संस्थागत

चेस प्रतियोगिता जो कि केन्द्र केन्द्र सरकार के 80 कार्यालयों के लिए आयोजित किया गया था यह छत्तीसगढ़ मे इस प्रकार का पहला आयोजन था।

डीडी नगर में 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष दिवस मनाया गया

रायपुर। जैन धर्मावलंबियों के लिए रविवार का दिवस विशेष रहा। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ श्रावण शुक्ल सप्तमी के दिन मोक्ष प्राप्त हुआ था। इस अवसर पर डी.डी.नगर स्थित 1008 श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में प्रात:काल से विशेष पूजन अर्चन किया गया। समाज के लोगों द्वारा मोक्ष कल्याणक के अवसर पर जयकारों एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवान का अभिषेक, विश्व की मंगल कामना एवं सुख-समृद्धि की भावना के साथ 108 कलशों के द्वारा शांतिधारा, सामूहिक पूजन किया गया। इस मौके पर श्री दिगंबर जैन सेवा समिति तथा आदिश्वर महिला मंडल द्वारा भगवान पार्श्वनाथ पर आधारित विशेष कल्याण मंदिर स्त्रोत विधान कराया गया जो कि राजेश रज्जन के सानिध्य में भक्तिभाव के साथ संपन्न कराया गया। निर्वाण कांड के सामूहिक उच्चारण के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। समाज की नंदा जैन एवं संगीता जैन द्वार भक्तिभाव के साथ बहुत ही मनोरम लाडू तैयार किया गया। 1008 भगवान श्री पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक को मुकुट सप्तमी के नाम से भी जाना जाता है। उल्लेखनीय है आज से लगभग 3000 वर्ष पूर्व पौष कृष्ण एकादशी के दिन वाराणसी में भगवान पार्श्वनाथ का जन्म हुआ था और तीर्थंकर बनने से पहले उन्हें नौ पूर्व जन्म लेने पड़े थे तत्पश्चात् दसवें जन्म में उन्हें तीर्थंकर बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने 30 वर्ष की आयु में गृह त्यागा और मात्र 83 दिन तक कठोर तपस्या करने के बाद 84वें दिन उन्हें कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई और श्रावण शुक्ल सप्तमी के दिन झारखंड स्थित सम्मेदशिखर जी से निर्वाण प्राप्त हुआ था। जैन समाज के इस विशेष पर्व में अपने हाथों से तैयार किए गए विशेष निर्वाण लाडू को भगवान के समक्ष समर्पित करने का प्रथम सौभाग्य अमृतलाल जैन, दीपाली जैन व परिवार को तथा द्वितीय लाडू सुशील वी पी जैन व तृतीय लाडू चढ़ाने का अवसर श्रृद्धा आशीष जैन को प्राप्त हुआ।

क्रोध के शिखर पर क्षमा की ध्वजा फहराना ही

हैदराबाद (विश्व परिवार)। पारसनाथ निर्वाण महोत्सव है..! पारसनाथ भगवान अतीत के भव्य स्मारक नहीं, वरन वर्तमान के मार्ग दर्शक तथा भविष्य के प्रकाश स्तंभ है। पारसनाथ भगवान अमृत महापुरुष थे। उन्होंने पुरे जीवन में समाज को अमृत ही अमृत बांटा। पारसनाथ भगवान की क्षमा और मैत्री शाश्वत है।

वे आकाश से अवतरित नहीं हुये थे। वे तीर्थंकर थे। तीर्थंकर मनुष्य के भीतर ईश्वर को तलाशते हैं, फिर तराशते हैं और अपने जैसा बना लेते हैं। क्योंकि जो कांटो से डरते हैं, वे गुलाब को प्राप्त नहीं कर सकते। क्रोध कांटा है और क्षमा गुलाब है।

अहंकार के हिमालय से नीचे उतरे बिना मोक्ष सम्भव नहीं है। अहम नगर से जब हमारा जीवन अर्हम नगर बन जाये तो जीवन में धन्यता आ जाती है। फिर जीवन में झुकना, सुनना और सहन करना सहज हो जाता है। अभी हम क्रोध करते हैं, बाद में पश्चाताप कर लेते हैं, कि मुझे क्रोध नहीं करना चाहिए। लेकिन जरा सा निमित्त मिलने पर हमारी क्रोध की भाषा, महाभारत

की परिभाषा बन जाती है। यह क्रम जीवन भर चलता रहता है। अब पश्चाताप नहीं, प्रायश्चित करना है, क्रोध के परिणामों पर गहन विचार करना है। कषाय, कर्ज, शत्रु और रोग को जड़ से समाप्त करना है। कारण कि ये जरा भी रह जाये तो जीवन की उन्नति में बाधक बन जाते हैं। मानसिक विकारों से, ईर्ष्या-द्वेष से, घृणा और वैमनस्यता से मुक्त होना ही मोक्ष है।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने आज से 68 वर्ष पूर्व कुमारी कन्याओं के लिए आर्यिका दीक्षा का मार्ग प्रशस्त किया था

आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की प्रत्यक्षदर्शी हैं ज्ञानमती माताजी है

अयोध्या (विश्व परिवार)। जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी , ज्ञानवृद्ध , तपोवृद्ध , ज्येष्ठ श्रेष्ठ , इस युग की साक्षात् सरस्वती , दिव्यशक्ति , गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने आज से 68 वर्ष पूर्व कुमारी कन्याओं के लिए आर्यिका दीक्षा का मार्ग प्रशस्त करते हुए वैशाख कृष्ण दूज को प्रथमाचार्य चारित्रचक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के प्रथम पट्टाचार्य आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज के कर-कमलों से माधोराजपुरा में नारी जीवन की सर्वोत्कृष्ट आर्यिका दीक्षा प्राप्त कर ज्ञानमती नाम प्राप्त किया और गुरु प्रदत्त उस नाम को सार्थक करते हुए अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से जिनशासन की गुण गरिमा को विश्व के मानसपटल पर पहुंचाने में अपना अतुलनीय योगदान दिया

मैना से वीरमती और वीरमती से ज्ञानमती माताजी के रूप में उस लौहबाला के कार्यकलापों से आज भी जिनशासन सुवासित है 7 ऐसी महाविभूति को पाकर सम्पूर्ण जैन समाज महान गौरव का अनुभव करता है 7प. पू. ज्ञानमती माताजी

ने 500 ग्रंथों का सृजन अपनी लेखनी के द्वारा करके जैन समाज को एक बडा उपहार दिया हैं ।

आज 'युग की प्रथम बाल सती', 'शिष्याओं की उद्धारिका', 'अनेक मुनियों की शिक्षागुरु', 'अप्रतिम साहित्य-सर्जक', 'कल्याणक भूमियों के विकास की सूत्रधार', 'तीर्थ-प्रहरी' आदि अनेकानेक विरुदों से ख्याति-प्राप्त गणिनीप्रमुख पूज्य ज्ञानमती की कीर्ति-कौमुदी भारत में ही नही, भारत से बाहर भी फैल चुकी है।

पूज्य आचार्य शांतिसागर जी महाराज शिष्याओं पर इनके अनुग्रह और वात्सल्य को देखकर इन्हें 'उत्तर की अम्मा' कहकर सम्बोधित करते थे। आचार्य वीरसागर जी महाराज के संघस्थ साधुओं को इनके भीतर 'साक्षात् सरस्वती' के दर्शन होते थे। यथार्थ में पूज्य ज्ञानमती माताजी तो अनुपमेय हैं, उनके गौरव के सामने सभी विशेषण फीके दिखाई देते हैं। दीक्षा प्रदान करते समय माताजी के दीक्षा गुरु ने उनसे कहा था- 'ज्ञानमती जी! मैंने जो तुम्हारा नाम रखा है, उसका सदैव ध्यान रखना।' माताजी ने इस गुरु-वचन को मंत्र की तरह ग्रहण किया। वे स्वयं अहर्निशि ज्ञानाराधना में रत रहती हैं और सभी शिष्य और भक्त-समुदाय को निरन्तर ज्ञान का प्रसाद बाँटती रहती हैं। उनकी शिष्याओं में पूज्य आर्यिका जिनमती, आर्यिका पद्मावती (अब समाधिस्थ), आर्यिका आदिमती, आर्यिका श्रुतमती, आर्यिका शिवमती, क्षुल्लिका शांतिमती, श्रद्धामती आदि अनेक ऐसे नाम हैं, जो उनसे ज्ञान और वात्सल्य पाकर स्वयं को कृतकृत्य मानती हैं, बड़ी श्रद्धा से इनके उपकारों का स्मरण करती हैं। मैना छोटेलाल जी के परिवार की सबसे बड़ी कन्या थी। वह सन्मार्ग पर चल पड़ीं तो परिवार के अन्य कई सदस्यों ने भी उनका अनुगमन किया। उनकी दो छोटी बहनें आज आर्यिका अभयमती(अब समाधीस्त) और प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका चंदनामती हैं। भाई पिठाधीश रवीन्द्रकीर्ती स्वामीजी भी संघ की सेवा में दिन-रात समर्पित होकर कार्य करते हैं। उनकी 'कर्मयोगी' की उपाधि सार्थक ही है। और तो और इनसे प्रेरणा पाकर इनकी जन्मदात्री माँ मोहिनी ने भी आचार्य धर्मसागर जी से आर्यिका दीक्षा ग्रहण कर 'रत्नमती' नाम प्राप्त कर कुल का गौरव बढ़ाया था। संयम का यह कैसा चमत्कार है कि उसके प्रभाव से माँ अपनी पूर्व पर्याय की पूर्व दीक्षित बेटी को अपनी माँ मान लेती है और बेटी के चारित्र को देखकर एक दिन स्वयं भी जगन्माता बनने का मार्ग स्वीकार कर लेती है। सच तो यह है कि पूज्य ज्ञानमती माताजी ने अपनी शिष्याओं पर अपना पूरा प्रशस्त स्नेह उड़ेलकर अपने समान बनने के मार्ग पर अग्रसर कर दिया है।

श्री अभिषेक अशोक पाटील
(कार्याध्यक्ष - अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, कोल्हापूर)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13145/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 07-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13145
वार्ड का नाम- 53 - बाबू जगजीवन वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR651K16605 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MS DOLPHIN PROMOTERS AND BUILDERS HARMEET SINGH HORA पिता/पति, श्री/श्रीमती GURMUKH SINGH HORA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती श्री तुलसीराम संतराम सहानी पिता/पति, श्री/श्रीमत पिता-श्री संतराम सहानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13778/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 12-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13778
वार्ड का नाम-44-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR758B00112 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती GEETA AGRAWAL पिता/पति, श्री/श्रीमती LATE, ANIRUDHA LAL AGRAV AGRAWAL के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती तोषी नामदेव पिता/पति, श्री/श्रीमती प्रकाश कुमार नामदेव ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13777/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 10-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13777
वार्ड का नाम-64-विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR449A00249 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SATYA DEWANGA पिता/पति, श्री/श्रीमती SHISHU PAL KOSHTA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती रीना देवांगन पिता/पति, श्री/श्रीमती स्व. शंकर देवांगनने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर सोमवार 12 अगस्त 2024

संक्षिप्त समाचार

एयरपोर्ट में मनाया गया एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक

जगदलपुर(विश्व परिवार)। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी न्यू दिल्ली के निर्देशानुसार देश के सभी एयरपोर्ट में 5 से 11 अगस्त को एविएशन सिक्योरिटी कल्चर सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके अंर्तगत जगदलपुर के माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट में प्रबंधन, इंडिगो और आलाइंस इंडिया के द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और जागरूकता आधारित कार्यक्रम के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर विजय दयाराम के. कहा कि जगदलपुर एयरपोर्ट में यह दूसरा एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक है। इस सप्ताह में एविएशन से जुड़ी सुविधाओं और सुरक्षा के लिए आम नागरिकों को जागरूक किया गया है। जगदलपुर के एयरपोर्ट में लगातार सेवाओं में विस्तार हो रहा है, वर्तमान में लगभग पाँच-पाँच विमान आ जा रही है। आगे भी कई जगहों को भी बस्तर से जोड़ने की पहल की जा रही है। कार्यक्रम कलेक्टर ने भी गाना गाकर कार्यक्रम को यादगार बनाया।

मुदलियार जनता को बरगलाने की कोशिश ना करें- अयूब गोरी

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नेता अयूब गोरी ने आज कांग्रेस नेता जितेंद्र मुदियार के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें उन्होंने पूर्व सांसद मधुसूदन यादव पर भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है । उन्होंने कहा कि मधुसूदन यादव वास्तविक बयां कर रहे हैं ना कि किसी भ्रष्ट ठेकेदार को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। श्री गोरी ने कहा कि वास्तविकता यह है कि 5 साल तक कांग्रेस की सरकार थी और उसमें श्री मुदलियार का काफी दबदबा था। इस दौरान भी कुम्हालोरी -सुरगी सड़क को लेकर ग्रामीणों ने हल्ला बोला था फिर भी ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई! उन्होंने पूछा कि क्या उस समय श्री मुदलियार ठेकेदार को संरक्षण नहीं दे रहे थे। श्री गौरी ने कहा कि सुरगी कुम्हालोरी मार्ग को लेकर ग्रामीण काफी समय से आंदोलनरत हैं जबकि कांग्रेस शासन के समय में मुदलियार को चाहिए था कि वह इस सड़क का सही ढंग से निर्माण हो इस पर ध्यान रखते, नाकि कोरी राजनीति कर जनता को रिझाने की कोशिश करते। उन्होंने कहा कि अब भी समय है मुदलियार जनता को बरगलाने की कोशिश ना करें और इस सड़क को दुरुस्त करवाने में अपनी माहिती भूमिका अदा करते हुए सत्ता पक्ष का साथ दें तथा सड़क की गुणवत्ता के साथ निर्माण करवाने में अपना अहम योगदान दें ।

दो शराब कोचियों से 32 पौवा शराब जब्त

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले की डोंगरगढ़ पुलिस ने अवैध शराब रखने व बेचने के दो अलग-अलग मामले में दो कोचियो को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से 32 पौवा शराब जब्त किया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग एवं अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व एसडीओपी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देश पर डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार गस्त-पेट्रोलिंग कर अवैध गतिविधियों, शराब कोचियों, सटोरियों, संदिग्ध व्यक्तियों, पॉकेटमार, चाकुबाज एवं अन्य असमाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 9 अगस्त को अवैध शराब बिक्री की सूचना पर पुलिस ने आरोपी भुपेन्द्र ठाकुर पिता केदार सिंह ठाकुर उम्र 51 साल निवासी दंतेश्वरी पारा वार्ड नं.- 16 डोंगरगढ़ को घर में अवैध शराब बिक्री करते हुये पकड़ा तथा उसके पास से 12 पौवाी शोले देशी प्लेन शराब जप्त किया। इसी प्रकार एक अन्य मामले में आरोपी मनोज चौरसिया पिता शिवलाल चौरसिया उम्र 45 साल निवासी खुंटापारा डोंगरगढ़ को मामा भांजा चिकन सेन्टर के सामने कटली रोड ग्राम बेलगांव के पास बिक्री हेतु अवैध रूप से शराब रखे हुये पकड़कर आरोपी के पास से 20 पौवा शोले देशी प्लेन शराब जप्त किया गया।

बिकमा तालाब के बाजू में स्थित खेत में निकला विशालकाय मगरमच्छ

बिलासपुर। रतनपुर राम टेकरी के पास स्थित बिकमा तालाब के बाजू में स्थित खेत में ग्रामीणों ने विशालकाय मगरमच्छ को देखते ही मोहल्ले में बात फैल गई। लोग घरों से खेतों की ओर दौड़ने लगे। पूरी तरह वयस्क यह मगरमच्छ करीब 9 फीट लंबा था, उम्र तकरीबन 10 से 12 साल बताई जा रही है। खेत के आसपास ग्रामीणों की भीड़ जुट गई थी। इसी बीच युवकों ने मोबाइल के जरिये सूचना वन विभाग के अफसर को दी। वन विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा तो लोगों ने खुद ही रेस्क्यू में जुट गए। मगरमच्छ को पकड़ा और फिर उसे एक ऑटो में भरकर खूंटाघाट बांध में छोड़ आये।

कलेक्टर ने स्कूल और स्वास्थ्य केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

शिक्षक की भूमिका में नजर आए कलेक्टर अग्रवाल

शिक्षा व्यवस्था में गुणवता लाने हेतु शिक्षकों को दिए निर्देश

कोचवाय के तीन स्वास्थ्य कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक कुमार अग्रवाल ने आज जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण कर सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला नहरगांव एवं नागाबुड़ा में जाकर पढ़ाई सुविधाओं तथा छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति, स्कूल परिसर में बिजली, पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय के बारे में जानकारी प्राप्त की। शिक्षक उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया साथ ही उन्होंने परिसर को साफ-सुथरा रखने के निर्देश दिए तथा समय पर स्कूल खोलने कहा। उन्होंने सभी विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता लाने के लिए शिक्षकों को समय पर उपस्थित होकर अध्यापन कार्य करने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री अग्रवाल आज स्कूल में शिक्षक की भूमिका में भी नजर आए। श्री अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को गणित के जोड़ना, घटाना, सामन्य ज्ञान, अंग्रेजी, विज्ञान सहित अन्य विषयों के बारे में सवाल-जवाब किये, इस पर विद्यार्थियों ने अपने परिचय के अलावा अन्य जानकारी अंग्रेजी में लिख सकें इसके लिये भी मार्गदर्शन दिए। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के नाम तथा बच्चों को पढ़ लिखकर आगे किस फिल्ड में जाना चाहते है, उसकी जानकारी ली। इस पर कुछ बच्चों ने डॉक्टर, इंजीनियर, पुलिस, शिक्षक, आर्मी में भर्ती होकर देश सेवा करने की बात कही। इस पर कलेक्टर ने कहा कि अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्कूल के अलावा घर पर भी कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। प्रतिदिन अपने नॉलेज को बढ़ाने के लिए समाचार पत्र-पत्रिकाएं पढ़ने को कहा। साथ ही उन्होंने बच्चों को मोबाईल का सदुपयोग करने व अनावश्यक मोबाईल नहीं देखने की शपथ दिलाई। कलेक्टर ने प्रत्येक कक्षा में बच्चों के ज्ञान के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए पाठ्यपुस्तकों के अलावा अन्य व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए शिक्षकों को निर्देशित किया गया। शिक्षकों को पालक सम्पर्क कर विद्यालय में छात्रों की शत प्रतिशत उपस्थिति कराने हेतु पहल किये जाने हेतु जागरूक किया गया। कलेक्टर ने बच्चों को सुबह नियमित रूप से कम से कम 10-15 मिनट योग करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोचवाय का औचक किया निरीक्षण - कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोचवाय पहुँच कर स्वास्थ्य सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र के ओपीडी कक्ष, दवाई कक्ष, भंडार कक्ष, महिला वार्ड, प्रसूति कक्ष, पंजीयन कक्ष का अवलोकन करते हुए परिसर में साफसफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया।

रोटरी क्लब ऑफ़ जगदलपुर ने की हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत

हर घर तिरंगा फहराये --- किरण देव

जगदलपुर(विश्व परिवार)। भारत की आजादी के 77 वें वर्ष के उपलक्ष में लोगों को अपने घर पर तिरंगा झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वाधान में रोटरी क्लब ऑफ़जगदलपुर द्वारा अभियान शुरू किया गया है। रोटरी क्लब द्वारा शहर के एक होटल में हर घर तिरंगा अभियान की शनिवार को जगदलपुर विधायक एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की उपस्थिति में शुरुआत की गई। रोटरी स्टोल एवं मोमेंटो देकर विधायक का सम्मान भी किया गया। विधायक ने कहा झंडे के साथ हमारा संबंध सदैव व्यक्तिगत की बजाय औपचारिक और संस्थागत रूप में अधिक रहा है। एक राष्ट्र के रूप में झंडे को सामूहिक रूप से घर पर लाना न केवल तिरंगे के साथ हमारे व्यक्तिगत संबंध का प्रतीक है बल्कि यह राष्ट्र निर्माण में हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। यह पहल लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जागृत करने और भारत के राष्ट्रीय झंडे के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई है। आने वाले समय में मेडिकल कैंप खोलने की भी बात की। रोटरी क्लब की सराहना करते हुए विधायक ने कहा आप लोगों का यह अभियान बहुत ही सराहनीय है। रोटरी क्लब अध्यक्ष विवेक सोनी ने कहा घर-घर तिरंगा अभियान सतत जारी रहेगा। कोशिश रहेगी कि हर वार्ड तक रोटरी परिवार पहुंचे एवं घर-घर तिरंगा लगाने हेतु प्रेरित करें। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जुलाई 2022 को देश के लोगों से अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की थी। तब से यह अभियान लगातार चलता आ रहा है। अध्यक्ष ने इस साल के अपने कार्य योजना और आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में विधायक को अवगत कराया और कुछ बड़े प्रोजेक्ट जैसे रोटरी मेडिकल कैंप, रोटरी बिजनेस एक्सपो में उनका एवं छत्तीसगढ़ सरकार से मार्गदर्शन और सहयोग की अपील की है। कार्यक्रम का संचालन संग्राम सिंह राणा एवं आभार दिनेश कागोत ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्याम सोमानी,हनुमंत राव,पुष्पी अग्रवाल,कमल सेट्टी,हनीफ बर्बाटिया, सौरभ अरोरा,डॉ मनोज थॉमस,नवीन भावसार, कुलजीत सिंह,सूर्यश लुक्कड़,मद्दी सप्तगिरि सहित रोटेरियन उपस्थित थे।

कलेक्टर ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम तहत तिरंगा बाईक रैली को किया रवाना

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक कुमार अग्रवाल ने आज हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय गांधी मैदान से तिरंगा बाईक रैली को रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव, एसडीएम श्री विशाल महाराणा उपस्थित थे। बाईक रैली में देशभक्ति का जज्बा लिए हाथों में तिरंगा झंडा लेकर उत्साह एवं उल्लास के साथ तिरंगा बाईक रैली शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरी। तिरंगा हमारी आन-बान और शान है। तिरंगा का यह गौरव और सम्मान हर घर तक पहुंचे, इस संदेश के साथ बाईक रैली का यह तिरंगा रैली गांधी मैदान से शुरू होकर तिरंगा चौक, सिटी कोतवाली, शासकीय कॉलेज होते हुए इंडोर स्टेडियम में समाप्त हुआ। भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय जवान-जय किसान, तिरंगा यात्रा जिंदाबाद के जयकारे की अनुगूंज दूर तक सुनाई दी। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्र का प्रतीक है। भारतीय नागरिकों को अपने घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि आज इस तिरंगा बाईक रैली के माध्यम से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया है। आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत 9 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक आयोजित हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत जिले में विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत 9 से 15 अगस्त तक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में अपनी सहभागिता निभाएं। इस अवसर पर जिला अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम अन्तर्गत नागरिकों को राष्ट्र प्रेम का संदेश दिया गया

मोहला(विश्व परिवार)। जिले के विकासखंड अम्बागढ़ चौकी में आज (हर घर तिरंगा) कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम पंचायत चिल्हाटी, केकतीटोला, कोटरा, सांगली, हाडीटोला, मिरचे, देववाड़वी, पांगरी, तिरपेमेटा, खुर्सीपार, में तिरंगा रैली, तिरंगा शपथ, तिरंगा वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत 9 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान जिले में तिरंगा यात्रा, रैली, एवं विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होगा। इसके अंतर्गत सभी नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि आम जन में देशभक्ति की भावना विकसित हो तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में वृद्धि हो। जिले में इसके लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए है। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के लिए वेबसाईट में सोशल मीडिया का उपयोग कर जागरूकता लाई जाएगी। तिरंगा यात्रा अंतर्गत युवा, वृद्ध, पुरूष, महिला शामिल हो सकते है। तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में देश भक्ति संगीत के साथ सार्वजनिक स्तर पर तिरंगा कॉन्सर्ट्स आयोजित किए जाएंगे। कॉन्सर्ट्स में तिरंगा एन्थम की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम स्थलों पर तिरंगा कैनवास स्थापित किए जाएंगे, जहां लोग किसी भी भारतीय भाषा में हर घर तिरंगा और जय हिन्द लिख सकेंगे। कैनवास का डिजाइन राष्ट्रीय ध्वज के समान 3: 2 में होगा।

धमतरी पुलिस ने यातायात जागरूकता अभियान के तहत खरतुली स्कूल में पहुंच कर लगाया यातायात पाठशाला

यातायात पुलिस द्वारा छात्र-छात्राओं को सड़क दुर्घटना होने के कारण व बचाव की दी गई जानकारी

धमतरी(विश्व परिवार)। पुलिस यातायात द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शास0 उच्च0 माध्य0 विद्या0 खरतुली में पहुंचकर यातायात पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सउनि.सुरेश नेताम के द्वारा उपस्थित 220 छात्र-छात्राओं को सड़क दुर्घटना के कारणों से परिचित करते हुए बताया गया कि, तेजगति, लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने, शराब सेवन कर वाहन चलाने, गलत दिशा, असावधानीपूर्वक ओवरटेकिंग करने आदि से सड़क दुर्घटनाऐं घटित होती है। यातायात नियमों जैसे तेजगति से वाहन नही चलाना, असावधानीपूर्वक ओवरटेकिंग नहीं करना, शराब सेवन कर वाहन चालन नही करना, गलत दिशा, लापरवाहीपूर्वक वाहन चालन नही करना, हमेशा दोपहिया वाहन में सफर के दौरान हेलमेट एवं चारपहिया वाहन में सीटबेल्ट लगाकर, यातायात चिन्हों, संकेतों का पालन कर सड़क दुर्घटना से बची जा सकती है, बताकर ब्लैक बोर्ड में स्टाप लाईन, जेब्रा कासिंग एवं अन्य रोड मार्किंग तथा यातायात चिन्हो व संकेतों को चित्रित कर विस्तृत जानकारी दी गई। सुरक्षित चलने के बारें में बताया गया कि मार्ग में हमेशा बायें साईड में चलना चाहिए, झुंड़ में नही चलना चाहिए, जिस प्रकार चींटी एक के पीछे एक चलते है उसी प्रकार चलना चाहिए, अचानक रोड में नही मुड़ना चाहिए, सायकल में चलने के दौरान मुडने से पहले हाथ का इशारा देकर या वाहन में चलने के दौरान इंडीकेटर का प्रयोग करना चाहिए, रोड क्रास करने से पहले भली-भांति दायें-बायें देखकर यह सुनिश्चित कर ले कि, कोई गाड़ी तो नही आ रही है पूर्ण रूप से आश्वस्त होकर ही तेजगति से रोड क्रास करना चाहिए, साथ ही वाहन में रखे जाने वाले महत्वपूर्ण कागजात: आर.सी बुक, ड्रायविंग लायसेंस, बीमा, परमिट एवं प्रदूषण प्रमाण पत्र के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

बस्तर में सरकार पर्यटन को दे रही बढ़ावा- केदार कश्यप

साढ़े तीन करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा ईको-टूरिज्म रिसोर्ट

जगदलपुर(विश्व परिवार)। वन एवं जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर में प्राकृतिक सौंदर्य, वन उत्पाद, वन संसाधन की उपलब्धता बहुत है। सरकार द्वारा बस्तर में पर्यटन के लिए होम स्टे, कैंपिंग और ईको पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में कोसारटेडा जलाशय परिसर में भी ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकास हेतु आज भूमिपूजन किया गया है। बस्तर में कोसारटेडा जलाशय से सिंचाई सुविधा के साथ-साथ अब ईको-टूरिज्म हब के निर्माण से यहाँ के महिला स्व सहायता समूह और ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेगा। मंत्री ने कहा कि बस्तर अपनी अप्रतिम सौंदर्य के लिए विश्व प्रसिद्ध रहा है इस लिये बस्तर में सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। संभाग में कई जलप्रपात है जिनको पर्यटन नक्शे में जोड़ने की पहल की जा रही है। मंत्री श्री कश्यप शनिवार को कोसारटेडा सिंचाई जलाशय में 3 करोड़ 51 लाख रुपए की लागत से विकसित की जा रही ईको-टूरिज्म रिसोर्ट का भूमिपूजन किया।कार्यक्रम में मंत्री श्री केदार कश्यप ने इको रिसोर्ट के मुख्य द्वार निर्माण हेतु राशि 25 लाख, इको रिसोर्ट के चारों ओर टो वॉल के निर्माण हेतु 1 करोड़, अप्रोच रोड के दोहरीकरण, प्रशासनिक भवन के जीर्णोद्धार हेतु 50 लाख, रिसोर्ट के विकास हेतु रिसोर्ट के आसपास उपलब्ध अन्य विभागों के स्वामित्व की शासकीय भूमि को जल संसाधन विभाग को हस्तांतरित करने और हाईमास्ट लाइट हेतु 25 लाख रूपए की घोषणा की। कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि कोसारटेडा जलाशय बनवाने के लिए स्वर्गीय बलीराम कश्यप ने अथक प्रयास किया। जलाशय से क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा बढ़ी। अब यहाँ पर्यटन के केंद्र के रूप में विकास किया जाएगा। बस्तर को पहले अधिकारी कालापानी की सजा के रूप में जानकर आते थे। अब विकास की गति और सरकार योजनाओं ने पर्यटन के स्थल के रूप में अलग पहचान बना ली है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप ने भी संबोधित किया। कलेक्टर विजय दयाराम के . ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोसारटेडा जलाशय बस्तर-नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में सिंचाई सुविधा के लिए जाना जाता था अब ईको-टूरिज्म पर्यटन के रूप में भी इसे नई पहचान मिलेगी। बस्तर जिला में पहले पर्यटन के रूप में चित्रकोट, तीरथगढ़, कुटुमसर गुफा की ख्याति थी इसमें अब कोसारटेडा ईको-टूरिज्म भी अलग पहचान दिलाएगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप, जनपद अध्यक्ष श्रीमती टिकेशवरी मंडावी, सरपंच सालेमेटा फरसू बघेल अन्य जनप्रतिनिधि सहित सीसीएफ आरसी दुग्गा, वन मण्डलाधिकारी उत्तम गुप्ता, जल संसाधन विभाग के भंडारी, वेद पांडेय सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे। कार्यक्रम के उपरांत जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने मंत्री को पूरे प्रोजेक्ट का विस्तृत जानकारी दी। बस्तर जिले की कोसारटेडा मध्यम बहुउद्देश्यीय सिंचाई जलाशय परियोजना में सिंचाई के साथ ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया रहा है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर सोमवार 12 अगस्त 2024

व्यापार समाचार

एथर एनर्जी ने रायपुर में अपने पहले फैमिली स्कूटर रिज़्टा की 100 यूनिट्स वितरित कीं

रायपुर: भारत के इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माताओं में से एक, एथर एनर्जी ने आज रायपुर के होटल ग्रांड केनयन में आयोजित एक भव्य डिलीवरी कार्यक्रम में 100 एथर रिज़्टा फैमिली स्कूटर्स की डिलीवरी की। नए लॉन्च किए गए रिज़्टा की रायपुर में यह एक ही दिन में की गई अब तक की सबसे बड़ी डिलीवरी है। इस अवसर पर श्री रवनीत सिंह फोकेला, चीफ बिज़नेस ऑफ़िसर, एथर एनर्जी ने कहा, अपने पहले फैमिली स्कूटर, रिज़्टा के लॉन्च के बाद रायपुर में इस स्कूटर के लिए हमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हम शहर में अपने ग्राहकों को 100 रिज़्टा स्कूटर सौंपते हुए बहुत उत्साहित हैं। हमने अपना पहला फैमिली स्कूटर उन ग्राहकों के लिए बनाया है, जो अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर में कम्फर्ट, सुविधा और सुरक्षा चाहते हैं। इसलिए यह रायपुर के ग्राहकों के लिए उपयुक्त है। यह एक भरोसेमंद और व्यवहारिक स्कूटर है, तथा दैनिक उपयोग के लिए उत्तम है। इसमें अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और फ़ीचर्स हैं, जो शहर में राइडिंग के अनुभव को बेहतर बनाते हैं। रिज़्टा दो मॉडलों और तीन वैरिएंट्स में उपलब्ध है। रिज़्टा S और रिज़्टा Z में 2.9kWh की बैटरी और टॉप-एंड मॉडल रिज़्टा Z में 3.7kWh की बैटरी है। 2.9kWh वैरिएंट से 123 किलोमीटर की अनुमानित आईडीसी रेंज और 3.7kWh वैरिएंट से 159 किलोमीटर की रेंज मिलती है। रिज़्टा की सीट विशाल और आरामदायक है। इसमें 56 लीटर का विशाल स्टोरेज मिलता है, जिसमें 34 लीटर का अंडरसीट स्टोरेज और 22 लीटर की वैकल्पिक फ्रंक एक्सेसरी है। इसके बड़े फ्लोरबोर्ड से राईडर को पर्याप्त लैग स्पेस मिलता है। इसके अलावा, रिज़्टा में अनेक सेफ्टी फीचर्स जैसे स्किडकंट्रोलइ और फॉलसेफTM, इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल (ESS), थेफ्ट एवं टो डिटेक्ट, और पिंग माई स्कूटर आदि हैं, जो इससे पहले एथर के 450 सीरीज़ के स्कूटर में थे। एथर एनर्जी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है, ताकि इसके राइडर्स को सुगम और आनंददायक अनुभव प्राप्त हो। इसके इलेक्ट्रिक स्कूटर के चार्जिंग नेटवर्क में इस समय देश में 1900 से अधिक फास्ट चार्जिंग पॉइंट हैं, जिन्हें एथर ग्रिड कहते हैं। कंपनी के पास वर्तमान में देश में 200 एक्सपीरियंस सेंटर हैं, जहाँ एथर के ग्राहक एथर स्कूटर की टेस्ट राइड लेकर उन्हें खरीद सकते हैं। एथर के दो मैनुफैक्चरिंग प्लांट होसुर, तमिलनाडु में हैं, जिनमें से एक में बैटरी बनाई जाती है और दूसरी सुविधा में वाहन की असेंबलिंग होती है।

सपनों से निराशा और फिर नई ज़िंदगी तक: कलर्स का मेघा बरसेंगे परित्यक्त दुल्हनों की दुर्दशा पर चर्चा करता है

मुंबई। ऐसी दुनिया में जहां शादी की कसमें ज़िंदगी भर प्यार करने और साथ निभाने के वादों में गूंजती हैं, वहीं भारत में, कथित तौर पर 40,000 से ज़्यादा दुल्हनों के सपनों को ऐसे पतियों ने चकनाचूर किया है जिन्होंने प्यार का वादा किया था लेकिन पत्नियों को छोड़ कर उन्हें धोखा दिया। इस विश्वासघात की राख से किसी फ़ीनिक्स पक्षी की तरह उभरकर, कलर्स ने अपनी नई पेशकश 'मेघा बरसेंगे' के साथ 'छोड़ी हुई औरत' (दुल्हन परित्याग का मुद्दा) पर प्रकाश डालते हुए बदलाव की शुरुआत करने का प्रयास किया है। धोखे की पीड़ा से ग्रसित, एक नवविवाहित दुल्हन मेघा, जिसे उसके एनआरआई पति मनोज ने छोड़ दिया है, इस धोखे का बदला लेने और अपने परिवार की खोई हुई प्रतिष्ठा को फिर से हासिल करने की चुनौती का सामना करती है।अपनी मुश्किलों के बीच, मेघा को अर्जुन के रूप में एक अप्रत्याशित सहयोगी मिलता है, जो एक आईएएस अधिकारी है और मेघा के भगोड़े दूल्हे को सबक सिखाने के उसके अभियान में मदद करता है। भारी दिक्कतों के बावजूद, मेघा हर कठिनाई का दृढ़ता से सामना करती है। परित्यक्त दुल्हनों को चुप कराने वाली परंपराओं के ज्वार को चुनौती देती है, और अपने भगोड़े पति को भारत लौटने के लिए मजबूर करती है। एक नवविवाहित लड़की की हिम्मत की सराहना करते हुए? जो अपनी भाग्य निर्माता बन जाती है, यह नया शो एक दमदार संदेश देता है कि ज़िंदगी शादी के साथ शुरू या खत्म नहीं होती है। मेघा के रूप में नेहा राणा, अर्जुन के किरदार में नील भट्ट, और मनोज के रूप में किंशुक महाजन अभिनीत और परिन मल्टीमीडिया द्वारा निर्मित, 'मेघा बरसेंगे' का प्रीमियर 6 अगस्त को होगा, और उसके बाद हर दिन शाम 7:00 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होगा।

अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 2025 की पहली तिमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की कंपनी का शुद्ध लाभ (PAT) सालाना आधार पर 410% बढ़ा

रायपुर। कस्टम-बिल्ट इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सॉल्यूशंस के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और असेंबली में अग्रणी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड (बीएसई: 540879, एनएसई: APOLLO) ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपनी आय की रिपोर्ट दी है। कंपनी के मैनेजमेंट ने आगे कहा कि, अपोलो माइक्रो सिस्टम्मा लिमिटेड (AMS) ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में जो उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है, उसे साझा करते हुए हम उत्साहित हैं। यह अवधि हमारे ऑपरेशंस के अनेक डाइमेंशंस में महत्वपूर्ण प्रगति और उल्लेखनीय सफलताओं की विशेषता रही है। इनोवेशन, ऑपरेशनल एक्सीलेंस और सस्टेनेबल ग्रोध के प्रति हमारा अटूट समर्पण हमारे प्रदर्शन को आगे बढ़ाता है और हमारे भविष्य को आकार देता है। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के लिए, अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड (AMS) ने 912.02 मिलियन रुपये का रेवेन्यू प्राप्त किया जो फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली तिमाही में 576.91 मिलियन रुपये से बढ़ा है. यह मुख्य रूप से मज़बूत ऑर्डर निष्पादन द्वारा संचालित है। हमारा एबिटा (EBITDA) बढ़कर फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही में 223.71 मिलियन रुपये हुआ, जो वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 127.42 मिलियन रुपये था, ऑपरेशंस के बढ़े हुए स्केल के कारण 75.57% की वृद्धि दर्ज की गई। शुद्ध लाभ (PAT) फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली तिमाही में 16.54 मिलियन रुपये की तुलना में फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के लिए 84.29 मिलियन रुपये रहा।

पहलवान अमन सहरावत ने कांस्य जीता

खेलों में सबसे कम उम्र के भारतीय व्यक्तिगत पदक विजेता बने

पेरिस(एजेंसी)। आक्रामक और हमलावर प्रदर्शन के साथ, अमन सहरावत ने पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर विनेश फोगाट की अयोग्यता पर भारतीय दल की निराशा को दूर किया जो पदक से चूक गईं। सहरावत ने प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज़ पर 13-5 से जोरदार जीत दर्ज की। इस प्रक्रिया में, सहरावत 21 साल 0 महीने और 24 दिन की उम्र में भारत के सबसे कम उम्र के व्यक्तिगत ओलंपिक पदक विजेता बन गए। उन्होंने पीवी सिंधु के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो रियो ओलंपिक 2016 में रजत पदक जीतने पर 21 साल 1 महीने और 14 दिन की थीं। जब ऐसा लग रहा था कि 2008 के बाद पहली बार भारतीय पहलवान ओलंपिक से खाली हाथ लौटेंगे, तब सहरावत ने शुक्रवार को कांस्य पदक जीतकर दल का हौसला बढ़ाया। यह पेरिस ओलंपिक में भारत का छठा पदक है, जिसमें देश ने अब तक एक रजत और पांच कांस्य पदक हासिल किए हैं। दल में एकमात्र पुरुष पहलवान सहरावत ने मुकाबले का पहला अंक गंवा दिया, लेकिन जोरदार वापसी की और एक समय 2-3 से पिछड़ने के बावजूद पहले राउंड के अंत में 6-3 की बढ़त ले ली। दूसरे राउंड में, सहरावत आत्मविश्वास से भरे हुए थे और ऐसा कभी नहीं लगा कि वह अपनी आरामदायक बढ़त को जाने देंगे और 13-5 से मुकाबला जीत गए। 21 वर्षीय सहरावत केडी जाधव (कांस्य 1952), सुशील कुमार (कांस्य 2008, रजत 2012), योगेश्वर दत्त (कांस्य 2012), साक्षी मलिक (कांस्य 2016), रवि दहिया (रजत 2020) और बजरंग पुनिया (कांस्य, 2020) की श्रेणी में शामिल हो गए। यह दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के पहलवानों द्वारा जीता गया छठा पदक है जो भारत में कुश्ती गतिविधि का एक प्रमुख केंद्र है। सहरावत इस वर्ष कुश्ती में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र पुरुष पहलवान थे। उनके प्रदर्शन ने उन्हें ओलंपिक में कुश्ती में भारत के लिए आठवां ओलंपिक पदक (दो रजत और छह कांस्य पदक), हॉकी के बाद ओलंपिक में देश के लिए दूसरे सबसे सफल खेल के रूप में अपनी दावेदारी बढ़ाते हुए देखा है। हरियाणा के पहलवान ने अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की और अपने पहले दो मुकाबलों में लगातार दो तकनीकी श्रेष्ठता जीत दर्ज की, लेकिन गुरुवार को सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान के री हिगुची से 0-10 से हार गए। उन्होंने अपने 16वें दौर के मुकाबले में पूर्व यूरोपीय चैंपियन नॉर्थ मैसेडोनिया के व्लादिमीर ईगोरोव को 10-0 की तकनीकी श्रेष्ठता से हराया था, और फिर क्वार्टर फाइनल में 2022 के विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त अल्बानिया के ज़ेलिमखान अबकारोव को 12-0 से हराया था। महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में रीतिका हुडा अकेली भारतीय पहलवान हैं, जिन्होंने अभी तक खेलों में भाग नहीं लिया है।

रिकी पोंटिंग ने इंग्लैंड की सफेद गेंद कोचिंग से किया इनकार; नजरें आईपीएल कोचिंग में वापसी पर

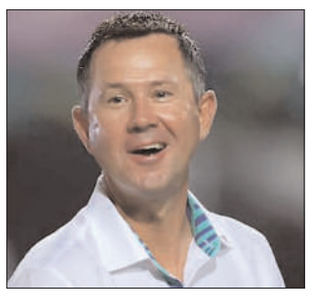

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने कहा है कि वह इंग्लैंड की पुरुष टीम के अगले व्हाइट-बॉल कोच बनने पर विचार नहीं करेंगे, साथ ही उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोचिंग में वापसी की भी उम्मीद है। इंग्लैंड के सफेद गेंद के कोच के रूप में मैथ्यू मॉट के जाने का मतलब है कि इस रिक्त पद को भरने के लिए क्रिकेट जगत में एक प्रमुख व्यक्ति की तलाश है। दिल्ली कैपिटल्स के साथ पोंटिंग का सात साल का कार्यकाल इस साल समाप्त होने के बावजूद, तीन बार का विश्व कप विजेता अभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूर्णकालिक कोचिंग के लिए तैयार नहीं है। मैं रिकॉर्ड पर कह रहा हूं कि अभी मेरे लिए अंतरराष्ट्रीय नौकरियां वास्तव में वह नहीं हैं जहां मेरा जीवन है क्योंकि एक अंतरराष्ट्रीय नौकरी में बहुत अधिक समय लगता है। मुझे अपने टीवी काम के साथ-साथ अन्य प्रतिबद्धताएं भी मिली हैं मैं जो चीजें करता हूं और घर पर अच्छे समय के साथ इसे संतुलित करने की भी कोशिश करता हूं, जो कि पिछले कुछ सालों में मुझे ज्यादा नहीं मिला है। आईसीसी समीक्षा शो के नवीनतम एपिसोड में पोंटिंग ने कहा,अन्य अंतरराष्ट्रीय टीमों को कोचिंग देना एक बात है, एक ऑस्ट्रेलियाई के लिए इंग्लैंड को कोचिंग देना शायद थोड़ा अलग है, लेकिन अभी मेरे पास काफी कुछ है क्योंकि यूके में अगले कुछ महीनों में मुझे और भी बहुत कुछ करना है। ऑस्ट्रेलिया में कुछ सफेद गेंद वाली चीजें आ रही हैं, जिस पर मैं जाऊंगा और टिप्पणी करूंगा, इसलिए नहीं, अभी अगर मेरा नाम सूची में था तो वे वास्तव में इसे हटा सकते हैं। पोंटिंग, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया, ने हाल ही में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दूसरे सीज़न को जीतने के लिए वाशिंगटन फ्रीडम टीम को कोचिंग दी और यूएसए में टीम के साथ उनके अनुबंध पर एक और वर्ष है।

पीएम मोदी ने अमन सहरावत को उनकी अविश्वसनीय उपलब्धि की बधाई दी

नई दिल्ली(एजेंसी)। अमन सहरावत के कांस्य पदक ने उन्हें 21 साल 0 महीने और 24 दिन की उम्र में भारत के सबसे कम उम्र का व्यक्तिगत ओलंपिक पदक विजेता बना दिया। उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि ने उन्हें उनके उल्लेखनीय पैरों के लिए पूरे देश से सबसे अधिक प्रशंसा अर्जित करते देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में भारत के लिए छठा पदक जीतने वाले युवा पहलवान की प्रशंसा करने में देश का नेतृत्व किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपनी पोस्ट में कहा,अधिक गर्व, हमारे पहलवानों को धन्यवाद! पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा में कांस्य पदक जीतने के लिए अमन सहरावत को बधाई। उनका समर्पण और दृढ़ता स्पष्ट रूप से झलकती है। पूरा देश इस उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मनाता है। समग्र रूप से कुश्ती जगत इस जीत का जश्न मना रहा है क्योंकि वह देश की पदक तालिका में शामिल होने की आखिरी उम्मीदों में से एक थे। राष्ट्रीय राजधानी में प्रसिद्ध छत्रसाल अखाड़े में अमन के सीनियर, 2020 टोक्यो के कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया ने अमन की भावनात्मक पृष्ठभूमि का वर्णन किया जिसके कारण उन्होंने इतिहास रचा। पदक विजेता अमन सहरावत की पूरी कहानी सुनें। वह केवल 11 वर्ष के थे जब उनके माता-पिता की मृत्यु हो गई। लड़के में बहुत हिम्मत और बहुत ताकत थी, चाचा ने उन्हें छत्रसाल स्टेडियम छोड़ा। फिर तो अखाड़ा अमन का घर बन गया। उसके चाचा, चाची और उसके गांव बिहरोड को सलाम, जिन्होंने इस लड़के की देखभाल की। उन्होंने अखाड़े में अपने कमरे की दीवार पर लिखा था, अगर यह इतना आसान होता, तो हर कोई इसे करता। आज अमन ने वो मुश्किल मुकाम हासिल कर लिया है जिसकी वजह से उनकी तस्वीरें भारत के हर कुश्ती हॉल में लगेंगी। पुनिया ने एक्स पर पोस्ट किया, उनके माता-पिता के बाद, कुश्ती का मैदान ही उनका घर था, लेकिन अब वह आने वाले वर्षों में भारत के हर कुश्ती क्षेत्र में नए पहलवानों के दिलों में रहेंगे। वह हर भारतीय के दिल में रहेंगे।

अब बैंक खाते में दर्ज करा सकेंगे चार नॉमिनी, बैंकिंग लॉ बिल पेश

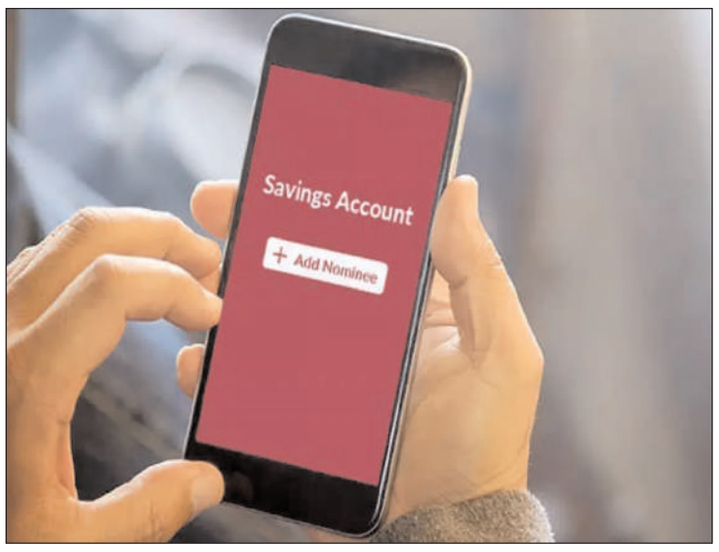

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया है। इस विधेयक में ऐसा प्रावधान किया गया है कि हरेक बैंक खाताधारक एक खाते के लिए चार 'नॉमिनी' तक दर्ज करा सकेगा। अभी तक एक बैंक खाते में एक ही नॉमिनी का उल्लेख करने का नियम है। अगर यह बिल संसद से पारित होता है तो अब नॉमिनी को बढ़ाकर चार तक किया जा सकता है। हालांकि, यह वैकल्पिक प्रावधान होगा। प्रस्तावित विधेयक में एक और बड़े बदलाव की बात कही गई है। इसके तहत कंपनी के निदेशकों के सबस्टेंशियल इंटरेस्ट को फिर से परिभाषित किया गया है और इसके तहत 5 लाख रुपये की वर्तमान सीमा को बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये तक किया गया है, जो लगभग छह दशक पहले तय की गई थी। लोकसभा में विपक्ष के कुछ सदस्यों ने सदन में यह विधेयक पेश किये जाने का विरोध किया। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने कहा कि सहकारी समितियों और सहकारी बैंकों से जुड़े कानूनों में संशोधन का अधिकार राज्यों को है। उन्होंने इस संबंध में विधायी अधिकारों को लेकर अस्पष्टता की भी बात कही। उन्होंने कहा,''सहकारी समितियों पर केंद्र नियंत्रण कर सकता है या नहीं, इस पर विरोधाभास है।'' आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन ने कहा कि सरकार एक साथ चार कानूनों में संशोधन का प्रयास कर रही है और यह सदन की परंपराओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि आपस में जुड़े विषयों से संबंधित कानूनों को लेकर ही विधेयक लाया जाता है। तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने भी चार कानूनों को एक विधेयक के माध्यम से संशोधित करने पर आपत्ति जताई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्षी सदस्यों की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि बहु सहकारी बैंक से जुड़े कानून में पहले भी इस सदन के माध्यम से संशोधन किया जा चुका है और इससे छोटे खाता धारकों को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि हम चार विधेयक भी ला सकते थे लेकिन जब एक समान तरह के कामकाज से जुड़े कानून हैं तो हम एक संशोधन विधेयक ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम और सहकारी बैंकों के बीच एक संबंध है और कोई भी संशोधन इसी रास्ते से लाना होगा। सीतारमण ने कहा,''सहकारी संस्थाओं, खासकर उन संस्थाओं को, जो बैंकों के अतिरिक्त अन्य सारे काम करती हैं, उन्हें कमजोर करने का कोई प्रयास नहीं है। बैंक और बैंकिंग गतिविधियों के लिए लाइसेंस रखने वाली सहकारी समितियों के लिए एक नियम होना चाहिए और इसीलिए हमने यह कदम उठाया है।''मंत्री के जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को पेश किए जाने की मंजूरी दी। विधेयक में वैधानिक लेखा परीक्षकों को भुगतान किया जाने वाला पारिश्रमिक तय करने में बैंकों को अधिक स्वतंत्रता देने का भी प्रावधान किया गया है। इस विधेयक में बैंकों के लिए विनियामक अनुपालन के लिए रिपोर्टिंग तिथियों को हर महीने के दूसरे और चौथे शुक्रवार के बजाय 15वें और आखिरी दिन को फिर से परिभाषित करने का भी प्रयास किया गया है। इस विधेयक को पिछले शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी, जिसके तहत भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955, बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम 1970 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम 1980 में संशोधन का प्रस्ताव है। इसकी घोषणा वित्त मंत्री ने अपने 2023-24 के बजट भाषण में की थी। उन्होंने कहा था, ''बैंक प्रशासन में सुधार और निवेशकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए बैंकिंग विनियमन अधिनियम, बैंकिंग कंपनी अधिनियम और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम में कुछ संशोधनों का प्रस्ताव है।''

इनो ने नया 3-इन-1 वैरिएंट लन्च किया

रायपुर, हेलीअन (तत्कालीन ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन कंज्यूमर हेल्थकेयर) द्वारा भारत के नंबर 1 ओटीसी एंटेसिड, इनो ने एसिडिटी से तेज और प्रभावशाली राहत के लिए इनो की शक्ति और असली जीरा, अजवाइन एवं काला नमक के गुणों के साथ नया 3-इन-1 वैरिएंट लन्च किया है। इन नए वैरिएंट्स में इनो की शक्ति के साथ विश्वसनीय प्रातिक तत्वों के गुण हैं, जो 3 बीमारियों - एसिडिटी, गैस और अपच से राहत प्रदान करते हैं। इस नए लन्च के बारे में अभिनेता कालिदास जयराम ने कहा, फ़जश्न के मौके, खासकर दक्षिण भारत की भव्य शादियाँ बहुत खास होती हैं। इनमें खूबसूरत सजावट से लेकर आशीर्वाद कार्यक्रम तक सब कुछ, विशेष रूप से भोजन कार्यक्रम बहुत भव्य होता है। यहाँ पर अलग-अलग स्वाद के व्यंजन बनाए जाते हैं। तीखा इमली चावल, मुलायम मैसूर पाक, बिसी बेले बाथ देखकर कोई भी खुद पर काबू नहीं रख सकता। इतना सारा खाने के बाद एसिडिटी भी हो सकती है। तेजी से राहत प्रदान करने की इनो की विरासत अब इनो 3-इन-1 में उपलब्ध है, जो एसिडिटी और पाचन की अन्य समस्याओं से तुरंत राहत देती है, ताकि जश्न की खुशी में कोई रुकावट ना आए। इनो 3-इन-1 वैरिएंट के लन्च के बारे में हेलीअन आईएससी में कैटेगरी लीड, डाइजेस्टिव हेल्थ, श्री किशलय सेठ ने कहा, इनो में हमारा मिशन ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप अपने उत्पादों में लगातार नए बदलाव करके उन्हें बेहतर बनाना है। नया इनो 3-इन-1 वैरिएंट प्रातिक तत्वों और लाभकारी मसालों पर ग्राहकों के विश्वास की गहरी समझ के साथ बनाया गया है। हम इनो की शक्ति के साथ इन प्रातिक तत्वों के गुण पेश करना चाहते थे ताकि पाचन की समस्याओं से तेज और प्रभावी राहत मिल सके। इस लन्च के साथ, हम एसिडिटी दूर करने का एक सरल और प्रभावशाली तरीका लाए हैं। साथ ही ब्रांड के उस भरोसे और विश्वसनीयता को भी मजबूत कर रहे हैं, जिसके लिए यह मशहूर है।

भारत के पहले क्रॉस ओवर यूटिलिटी वेहिकल [CUV] - MG विंडसर में मिलेगी सेगमेंट की पहली एयरो-लाउंज सीट

रायपुर। भारत में जल्द लॉन्च होने वाले क्रॉसओवर यूटिलिटी व्हीकल (CUV) - MG विंडसर में इस सेगमेंट की पहली एयरो-लाउंज सीटें दी जा रही हैं। ये खास सीटें लग्जरी और कंफर्ट का बेजोड़ मिश्रण हैं, जो इसमें बैठने वालों को बेहतरीन सफर अहसास देंगी। MG विंडसर की सबसे खास खूबी इसकी 135 डिग्री तक रिक्लाइन होने वाली एयरो-लाउंज सीटें हैं। इन सीटों को लग्जरी और सुकून का अहसास कराने के लिए बेहद खास तरीके से डिजाइन किया गया है। इसका रिक्लाइन एंगल बहुत ही सावधानी के साथ तैयार किया गया है। यह सुनिश्चित करता है कि यात्री शहर की छोटी सी ड्राइव पर निकले हों या फिर लॉन्ग ड्राइव पर, वे पूरी स्टाइल और सुकून के साथ सफर कर सकें। विंडसर कैसल के भव्य आकार से प्रेरित, इस इंटेलिजेंट CUV में एक बड़े आकार का केबिन दिया गया है। इस कार के केबिन को एर्गोनॉमिक्स और सूबसूरती के साथ डिज़ाइन किया गया है। इसकी खूबसूरती आपको शांति और समृद्धि का अहसास कराती है। यह इंटेलिजेंट CUV शानदार वास्तुशिल्प और शाही विरासत के प्रतीक - विंडसर कैसल से प्रेरित है। एतिहासिक कैसल की तरह दिखने वाली MG विंडसर शिल्प, खूबसूरती और राजसी गौरव को पेश करेगी। दुनिया के इस सबसे विशाल कैसल के एक-एक हिस्से को बहुत ही खूबसूरती के साथ तैयार किया गया है। स्व विंडसर भी ऐसी ही है। इस कार के हर पहलू ठीक वैसी ही खूबसूरती और लग्जरी के साथ तैयार किया गया है,जिसके लिए विंडसर कैसल दुनिया भर में जाना जाता है। भारत में सड़कों का नेटवर्क जितनी तेजी से बढ़ रहा है, उसे देखते हुए देश में CUV की ज़रूरत भी लगातार बढ़ती जा रही है। CUVs में एयरोडायनामिक डिज़ाइन और विशाल इंटीरियर का बेजोड़ संगम देखने को मिलता है। इसकी यही खूबियां इसे बड़े शहरों की व्यस्त सड़कों और छोटे शहरों के तंग रास्तों पर चलने के लिए एक बेहतरीन कार बनाती हैं। इसकी वर्सेटेलिटी और अडेप्टेबिलिटी, CUV को एक शानदार कार बनाती हैं। चाहे आप रोजाना का सफर कर रहे हों या फिर वीकेंड पर छुट्टियां मनाने के लिए घूमने फिरने निकलें हों, यह आपको हर वक्त सुकून और आराम देती है। ष्टड्ढ का बेहतरीन ग्राउंड क्लीयरेंस गड्ढों, स्पीड ब्रेकेर और उबड़ खाबड़ रास्तों पर आपको एक स्मूथ और आरामदायक ड्राइव का अनुभव देता है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, सोमवार 12 अगस्त 2024

संक्षिप्त समाचार

आदिवासी दिवस पर भाजपा ने किया आदिवासियों का अपमान : दीपक

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने विश्व आदिवासी दिवस को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर आरोप लगाया कि आरएसएस के खुले विरोध की वजह से राज्य सरकार दबाव में आ गई। इस वजह से 9 अगस्त को उसने विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रमों का बहिष्कार किया। रायपुर में दो कार्यक्रम थे और दोनों ही कार्यक्रमों की घोषणा के बाद सरकार के प्रतिनिधि वहां नहीं गए। उन्होंने कहा कि एक कार्यक्रम रायपुर के इंडोर स्टेडियम में था, जिसमें आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को शामिल होना था पर ऐन वक्त पर उन्होंने तय किया कि वे इस कार्यक्रम में नहीं जाएंगे। दूसरा कार्यक्रम महंत घासीदास संग्रहालय की कला वीथिका में आदिवासियों पर आयोजित एक प्रदर्शनी थी, जिसका उद्घाटन भाजपा सरकार के वरिष्ठ आदिवासी मंत्री रामविचार नेताम को करना था। यह प्रदर्शनी 'अपरिहार्य कारणों से' स्थगित कर दिया गया। उन्होंने कहा पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस की सरकार ने विश्व आदिवासी दिवस को एक उत्सव का रूप दिया और सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की।हमारी सरकार ने विश्व आदिवासी नृत्य महोत्सव मनाना शुरू किया, जिसमें पूरे देश और कई अन्य देशों से आदिवासी नर्तकों का दल आया करता था। पूरे देश में आदिवासी समाज देख रहा था कि छत्तीसगढ़ में किस तरह से आदिवासी समाज को सम्मान मिल रहा है।

श्री दिगम्बर जैन मालवीय रोड़ बड़ा मंदिर में मोक्ष सप्तमी कार्यक्रम सानंद संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री दिंगबर जैन बड़ा मंदिर में मोक्ष(मुकुट) सप्तमी के दिन तेईस्वे तीर्थंकर श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक है इस शुभ अवसर पर मैनेजिंग ट्रस्टी नरेंद्र जैन , अध्यक्ष - यशवंत जैन,सचिव सुजित जैन, उपाध्यक्ष श्रद्धेय जैन, लोकेश जैन, नीरज जैन, कोषाध्यक्ष - दिलीप जैन, विजय जैन , आशीष जैन , सदस्य - महावीर जैन ने बड़े हर्षोल्लास से सर्वप्रथम आदिनाथ वेदी के समक्ष भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमाजी को पाण्डुक शिला में विराजित कर अभिषेक ,शांतिधारा एवं पूजन में प्रथम निर्वाण लाडू श्री किशोर अमरचंद जैन परिवार एवं द्वितीय लाडू रितेश जैन परिवार और महेंद्र जैन , देवकुमार जैन ,चंद्रेश, संदीप. आदेश. समित राशु. शैलेन्द्र. श्रेयश. राहुल. रवि. और महिला मंडल मुकुट सप्तमी के पर्व पर और विधान मे कल्याण मंदिर स्त्रोत विधान मे शामिल हुए । दो अन्य सुंदर निर्वाण लाडू आशी जैन, रशिम योगेश जैन के द्वारा भी बनाकर लाया गया था। आदिनाथ विद्या धार्मिक पाठशाला प्रत्येक रविवार में बच्चो में धार्मिक बालबोध एवं संस्कार के लिए मौखिक एवं 3डी एनिमेट फिल्म के द्वारा पढ़ाया जाता है प्रभारी श्रीमती संध्या जैन बताया आज मुक्तुट सप्तमी के महत्व, पांच इंद्रिय पर आधारित फिल्म को बच्चो की दिखाया गया । बच्चो के पुरुस्कार के प्रभावना एवं स्वपलहार पुणयार्जक किशोर वनिता जैन,आलोक गौरव जैन सपरिवार बने ।

देश के संस्कार, संस्कृति और गौरव को जानने के लिए किताबे पढ़ने का रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने नई पीढ़ी से किया आवाहन

रायपुर (विश्व परिवार)। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन के द्वारा सार्वजनिक पुस्तकालय कर्मियों के लिए 46वां क्षमता निर्माण कार्यक्रम पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में शुरू हुआ है। इसका औपचारिक उद्घाटन आज सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद अग्रवाल ने किताबे जीवन का आधार है, प्रमाण है बताते हुए, नई पीढी को देश के संस्कार, संस्कृति और गौरव को जानने के लिए किताबे पढ़ने का आवाहन किया । छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल के सार्वजनिक पुस्तकालय पेशेवरों ने इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम भाग लिया।

अपनी पुरानी स्मृतियों को याद करते हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने, किताबों की अहमियत और जरूरतों पर विस्तार से बताया, सांसद ने कहां कि अब तो संसद पेपर लेस हो गई है लेकिन आज भी पढ़ने की आदत के कारण कठिनाई होती है, हालांकि प्रिंटेड किताबे प्रमाण होती है क्यों कि आईटी में काट छांट किया जा सकता है लेकिन किताबे एक बार पब्लिश हो जाए तो वो एक सशक्त आधार बन जाती है, आज भी इतिहास को तोड़ने मरोड़ने की कोशिश हो रही है, लेकिन लाइब्रेरी के पुस्तको ने ऐसे इतिहासकारों को आइना दिखाया है और भारत का समृद्ध इतिहास इसी पुस्तकालय और पुस्तको की वजह से संरक्षित है। बुक्स का महत्व कभी समाप्त नही होगा, इतिहास बनेगा तो

लिखित माध्यम की वजह से ही बनेगा। इसलिए ज्यादा से ज्यादा कोशिश करे कि पुस्तके पढ़े, और ज्ञान को बढ़ाए।

प्रारंभिक भाषण मे राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन के के परियोजना अधिकारी श्री दीपांजन चटर्जी ने कहा कि क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन के तहत घटकों में से एक है। उन्होंने बताया कि अब तक देश के विभिन्न भागों में 45 राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और 1900 से अधिक पेशेवरों को पुस्तकालय स्वचालन सॉफ्टवेयर, गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे, संसाधनों, अद्यतन आईसीटी उपकरणों और तकनीकों, उभरते रुझानों, पुस्तकालय संसाधनों के संरक्षण और संरक्षण आदि के लिए आधुनिक पुस्तकालय सेवाओं के प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षित किया गया है। राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन के अन्य घटकों में राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन आदर्श पुस्तकालयों की स्थापना, सार्वजनिक पुस्तकालयों का गुणात्मक और मात्रात्मक सर्वेक्षण और भारतीय राष्ट्रीय वर्चुअल लाइब्रेरी का निर्माण शामिल है, जिसे भारतीय संस्कृति पोर्टल के नाम से लॉन्च किया गया है। उन्होंने बताया कि एनएमएल मॉडल लाइब्रेरी योजना की स्थापना के तहत जिला पुस्तकालय, रायगढ़ को 87.00 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है। एनएमएल अनुदान के लिए राज्य केंद्रीय पुस्तकालय के लिए 2 करोड़ 23 लाख रुपये और जिला पुस्तकालय के लिए 87 लाख रुपये का प्रावधान है। उन्होंने यह भी बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय की स्थापना राजा राममोहन राय पुस्तकालय फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) की वित्तीय सहायता से की गई थी।

अन्य गणमान्य व्यक्तियों में एनआईटी, रायपुर के निदेशक डॉ. एन वी रमना राव, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. शैलेंद्र कुमार पटेल, डीपीआई के उप निदेशक श्री ए एन बंजारा, पूर्व राज्य मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष श्री आर एन सिंह, श्री कुंतल गोस्वामी और श्रीमती पिउली सेनगुप्ता उपस्थित थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने नशे के खिलाफचलाया जागरूकता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष कुमार सिंह द्वारा अवैध नशा के विरुद्ध अभियान निजात चलाया जा रहा है जिसमें अवैध नशा और अन्य अवैधानिक कार्य में संलिप्त लोगों के विरुद्ध ताबड़तोड़ तरीके से कार्यवाही की जा रही है ।इसी क्रम में थाना उरला पुलिस के द्वारा सराहनीय काम किया जा रहा है। बता दे की थाना उरला पुलिस द्वारा निजात अभियान के तहत आज नशे से ग्रसित कुल 7 लोगो का काउंसिलिंग डॉ.आलोक शर्मा (सायकोलॉजिस्ट) के उपस्थिति में कराया गया। रायपुर पुलिस के नशा मुक्ति अभियान को लोगों का साथ मिल रहा है। मोहल्लों, चौराहों, मार्केट प्लेस में लोग हैलो जिंदगी का नारा लगा रहे हैं। लोग नशे मुक्ति को लेकर पुलिस के साथ मिलकर अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। प्रदेश के रायपुर शहर में अलग-अलग जगहों में पहुंचकर पुलिस लोगों को नशा मुक्त के लिए जागरूक कर रहे हैं। इससे होने वाली दुष्प्रभावों को बता रहे हैं। इसके पूर्व नशे में ग्रषित लोगों की कॉउंसलिंग कराई गई थी। जिसमें से एक ने बताया कि नशे को पूर्णत: छोड़कर टाटा मोटर्स में मैकेनिक का कार्य कर रहा है। बाक़ी ने काउंसिलिंग के बाद से नशा कम है। इसी क्रम में एक नाबालिग ने बताया कि वह नशे में धारधार हतियार लेकर घूमता है, जिसे समझाइश देने पर उसने चाकू थाने में जमा किया, इसके पिता को बुलाकर समझाइश दिया गया जो उसे नशामुक्ति केंद्र में भर्ती करवाने हेतु राज़ी हुए। रायपुर पुलिस के अधिकरी कर्मचारी अन्य समाज सेवी संगठनों समेत छात्रों के साथ यह अभियान चला रहे हैं।

नक्सलियों के लिए लेवी वसूलने वाले आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ पुलिस को बड़ी सफ्लता मिली है। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की पुलिस ने नक्सलियों के लिए लेवी वसूलने में संलिप्त पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नक्सलियों के लेव्ही वसूलने के मनी ट्रेल का पर्दाफाश करते हुए मोहला-मानपुर पुलिस ने इन नक्सल सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी अनुसार पकड़े गए आरोपियों द्वारा एक करोड़ रुपए से अधिक का लेव्ही वसूलकर नक्सलियों को भेजे जाने का सबूत मिला है। जानकारी के अनुसार मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो नक्सलियों के लिए लेवी वसूलने का काम करते थे। इन आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने एक करोड़ रुपए से अधिक की लेवी वसूली और इस पैसे का इस्तेमाल नक्सलियों के लिए अन्य सुविधाओं और कार्यक्रमों में किया।गिरफ्तार आरोपियों ने लेवी के पैसे का इस्तेमाल नक्सलियों की यात्रा और अन्य आवश्यकताओं के लिए किया, जिसमें फ्लाइट टिकट बुकिंग भी शामिल है।

इधर, नक्सलियों की गिरफ्तारी के बाद राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर बड़ा आरोप लगाया है। मोहला-मानपुर गिरफ्तारी मामले में सांसद पांडेय ने भूपेश बघेल पर निशाना साधा.उन्होंने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक विवेक सिंह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता स्वर्गीय नंदकुमार बघेल का सलाहकार रहा है। आईजी दीपक झा ने प्रेस कांफ्रेंस में पकड़े गए आरोपियों को मीडिया के सामने पेश करने के साथ उनकी गतिविधियों का भी पर्दाफाश किया,पकड़े गए आरोपियों में मानपुर निवासी विवेक सिंह के अलावा बीजापुर जिले के चार अन्य नक्सल सहयोगी सोनाराम फरसा पिता स्व. पांडूराम फरसा (28 वर्ष), विजय जुर्री पिता स्व. संतूराम जुर्री (32 वर्ष), रामलाल करमा पिता तुपाराम करमा (35 वर्ष) और राजेंद्र कड़ती पिता स्व. बुगुर कड़ती (30 वर्ष) शामिल हैं।

केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव आज रायपुर में

रायपुर। केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव कल दिनांक 12 अगस्त 2024 से दो दिन के रायपुर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान 12 अगस्तर 2024 को शाम 6.30 बजे होटल मैरियट कोर्ट में हाथी प्रकल्प की 20वीं उच्चस्तरीय समिति की बैठक में सहभागी होंगे। उसके बाद शाम 7.30 बजे राष्ट्रीय हाथी दिवस के समारोह में सम्मिलित होंगे।

केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव दिनांक 13 अगस्त 2024 को सुबह 7.15 बजे नंदनवन जंगल सफारी में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अंतर्गत पौधा रोपण करेंगे। साथ ही स्कूल छात्राओं से संवाद करेंगे।

दावड़ा विवि में दीक्षारंभ कार्यक्रम का शानदार प्रारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया। जिसमे संस्थान प्रबंधन एवं प्रशासन ने नवागन्तुक छात्र-छात्राओं का स्वागत किया । कायक्रम के मुख्य अतिथि माननीय रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, रायपुर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद एवं रायपुर नगर निगम के पूर्व महापौर आदरणीय सुनील सोनी जी एवं अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक श्री इंद्रा कुमार साहू एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी श्री राजेश चौहान जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की महानिदेशक दो चार्मी दावड़ा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्पार्पित कर दिया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बाटन में डॉक्टर चार्मी दावड़ा ने शिक्षा के साथ कौशल विकास करने की बात कही साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों से वादा किया कि भविष्य में उन्हें विभिन्न खेलों और प्रतियोगी परीक्षा के लिए बेहतरीन अवसर एवं समस्त सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

विश्वविद्यालय की निदेशक श्रीमती अंजलि यादव ने शिक्षा के महत्व उसकी उपयोगिता और सामर्थ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा ही है जो व्यक्ति को अनुशासित कर सफ्ल होने में सहायता करते हैं आगे उन्होंने सभी छात्र छात्राओं को धैर्य की उपयोगिता बताते हुए कहा कि परीक्षा क्षमता नहीं अपितु धैर्य को परखते हैं इसलिए कठिन परिस्थिति में भी सबको धैर्य बनाकर रखना चाहिए। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री चिन्मय दावड़ा ने विश्वविद्यालय के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को नियंत्रण आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने कर्तव्य में नई शिक्षा नीति की उपयोगिता और विशेषता को बताई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विधायक रायपुर उत्तर पुरंदर मिश्रा जी ने अपने उद्घाटन में खेलकूद को प्रोत्साहन देने और गुणवत्तापूर्ण रोजगार मूलक उच्च शिक्षा को ग्रामीण अंचल में लाने के लिए दावड़ा परिवार को धन्यवाद भी दिया। श्री सुनील सोनी जी ने आत्मनिर्भर भारत की कल्पना करते हुए सभी युवक युवतियो से रोजगार मुक्त नागरिक बनकर देश के विकास में सहयोग करने की अपील की,जिसमें विकसित भारत का सपना पूर्ण हो सके। विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो.आर.वी.शुक्ल एवं अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक श्री इंद्रा कुमार साहू एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी श्री राजेश चौहान जी ने अपने अपने व्यक्तित्व में रोजगारों मुखी शिक्षा और अनुशासित जीवन जीने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। इसी बीच डॉक्टर मनीष वर्मा ने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में श्री भेषराम राम तारक, श्री सूरज लाल साहू एवं श्री वेदव्यास तारक जी ने विशेष रूप से उपस्थित होकर सभी विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुल सचिव श्री कुमार श्वेताभ ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मानद सदस्य श्री भूषण गुप्ता, श्री विनय गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डॉ वरुण गंजीर , श्री शाबिर कुरैशी, श्री विपिन श्रीवास्तव, श्री योगेश वैरागड़े, कला संकाय से डॉक्टर मनीष वर्मा, डॉ.थानेश्वर गिरी, प्राजंलि तिवारी मौजूद रहे।

चेम्बर अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने श्री चौधरी को ज्ञापन सौंपा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी,विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी के नेतृत्व में चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल ने माननीय श्री ओ.पी. चौधरी जी, वित्त, वाणिज्यिक कर मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपते हुए छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान अधिनियम, 2023 (सरल समाधान योजना) की तिथि को 31.12.2024 तक बढ़ाने का अनुरोध किया ।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी ने पत्र के माध्यम से बताया कि बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान अधिनियम, 2023 (सरल समाधान योजना) के अतंर्गत बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति की निपटान हेतु अधिसूचना दिनांक 15.09.2023 की जारी किया गया है जिसकी अंतिम तिथि 31.03.2024 थी।

श्री पारवानी ने माननीय वित्त, वाणिज्यिक कर मंत्री महोदय से अनुरोध किया है कि उक्त योजना में हजारों की संख्या में प्रकरण शामिल हो गये है तथा वर्त्तमान में बड़ी संख्या में और भी नए प्रकरण शामिल होने शेष हैं। मार्च माह में अत्यधिक अवकाश होने के कारण उक्त योजना में व्यवसायी भाग नही ले सके। अत: छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान अधिनियम, 2023 (सरल समाधान योजना) की तिथि को 31.12.2024 तक बढ़ाया जावे ताकि अधिक से अधिक व्यवसाइयों को इस योजना का लाभ मिले साथ ही प्रशासन को एकमुश्त राजस्व की प्राप्ति हो सके। फ्लस्वरूप प्रदेश के व्यापारिगण जीएसटी पर ध्यान केन्द्रित कर अपने व्यवसाय का सञ्चालन सरलता से कर सके।

जिस पर प्रदेश वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी जी ने सकारात्मक दिखाते हुए उचित कदम उठाने की बात कही ।

इस अवसर पर चेंबर कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी एवं कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गृह निर्माण मण्डल के हितग्राहियों का शीघ्र होगा लंबित भुगतान

रायपुर (विश्व परिवार)। विष्णु के सुशासन का दिख रहा असर मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अंतर्गत हितग्राहियों के लंबित भुगतान की शीघ्र वापसी के दिए निर्देश। मंडल ने त्वरित कार्यवाही कर 3.01 करोड़ किए वापस। आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा लंबे समय से छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अंतर्गत हितग्राहियों के लंबित भुगतान के लिए धनराशि वापसी के निर्देश दिए गए। इस पहल के

विष्णु का सुशासन

परिणामस्वरूप, लगभग 188 परिवारों को 3.01 करोड़ मंडल द्वारा वापस किए गए हैं। आयुक्त कुंदन कुमार (भ. प्र. से) ने बताया की माननीय मंत्री जी के निर्देश का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को देर से भुगतान के मुद्दे को हल करना था। विभाग ने त्वरित कार्रवाई की है, और छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा धनवापसी की गई है। मंडल द्वारा किया गया यह प्रयास सरकार की पारदर्शिता, जवाबदेही और यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि नागरिकों को उनके अधिकारित धन प्राप्त हों। मंत्री जी की पहल से प्रभावित परिवारों को राहत मिली है, और विभाग ऐसे लंबित मुद्दों को हल करने के लिए काम करता रहेगा। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल सतत रूप से अपनी कार्यप्रणाली के सरलीकरण की ओर आगे बढ़ रहा है, जिससे मंडल द्वारा आमजनों को अधिक सरलीकृत, संवेदनशील आवश्यक तथा पर्यावरण अनुकूल सुविधाएं प्रदान किया जा सके।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354